RNI No. MPHIN/2018/76422

बेबाकी के साथ...सच

माही की गूंज

Www.mahikigunj.in, Email-mahikigunj@gmail.com

सुविचार

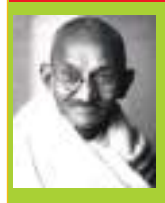

पहले वो आप पर ध्यान नहीं देंगे, फिर वो आप पर हंसेंगे, फिर वो आप से लड़ेंगे और तब आप जीत जाएंगे।

महात्मा गांधी

वर्ष-05, अंक - 01 (साप्ताहिक) खवासा, गुरुवार 06 अक्टूबर 2022 पृष्ठ-8, मूल्य -5 रुपए

चुनाव छोटा लेकिन धमाका बड़ा...

भाजपा की स्थिति उस विद्यार्थी की तरह हो गई जो परीक्षा में मेरिट में आने का तो दावा करता है पर उसे पासिंग अंक पर ही संतोष करना पड़ता है!

क्या मुख्यमंत्री अब पंच व सरपंच के चुनाव में भी आएंगे वोट मांगने...?

माही की गूंज, संजय भटेवरा

झाबुआ/अलीराजपुर। जीवन में पहली सीढ़ी बहुत महत्वपूर्ण होती है और लोकतंत्र की पहली और महत्वपूर्ण सीढ़ी है पंच एवं पार्षद।

हाल ही में हुए नगरीय निकाय के चुनाव, छोटे और स्थानीय चुनाव थे, लेकिन मतदाताओं ने बड़े संदेश के साथ बड़ा धमाका किया है। यह चुनाव उन बड़े नेताओं को भी आईना दिखा गया, जो यह समझते थे लोकतन्त्र में उनका सिक्का चलता है। यही नहीं मुख्यमंत्री शिवराजसिहं चौहान की सभा होने वाले वार्ड में भी पार्टी अधिकृत पार्षद प्रत्याशियों की करारी हार होना, यह दर्शाता है कि, हर चुनाव में जनता, मुख्यमंत्री का चेहरा देखकर वोट नहीं करती है। इन चुनाव में पार्टी के चुनाव चिन्ह पर प्रत्याशियों की छवि भारी पड़ी है। यही कारण है कि, झाबुआ-अलीराजपुर जिले के 7 नगरीय निकाय चुनावों में कई बड़े चेहरे और पार्टी का चुनाव चिन्ह लेकर लड़ने वालों को जमीनी पकड़ वाले गुमनाम प्रत्याशियों ने घर बिठा दिया।

निश्चित रूप से ये चुनाव स्थानीय मुद्दों पर लड़े जाने वाले छोटे चुनाव होते हैं। लेकिन पिछले कुछ वर्षों में मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान ने प्रदेश में होने वाले हर छोटे-मोटे चुनाव को अपनी सरकार की प्रतिष्ठा का मुद्दा बनाकर चुनाव लड़ा। छोटे-छोटे चुनाव में मुख्यमंत्री और सत्तारूढ़ पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव स्तर तक के नेताओं का गली-गली में घूमना यह स्पष्ट दर्शाता है कि, पार्टी का अपने स्थानीय नेताओं पर भरोसा नहीं है...! विश्व की सबसे बड़ी पार्टी होने का दावा करने वाली पार्टी के पास वार्ड का चुनाव जिताकर ला सकने वाले नेता नहीं है या फिर पार्टी को यह लगता है कि, वह स्थानीय नेताओं के दम पर वार्ड तक का चुनाव नहीं जीत सकती है।

स्थानीय चुनावो में मुख्यमंत्री के प्रचार को लेकर आम लोगों में मिश्रीत प्रतिक्रिया सामने आ रही है। कई लोगों का मानना है कि, हर चुनाव में यही कहा जा सकता है कि, भाजपा का ग्राफ गिरा है, और जहां पार्टी अधिकृत प्रत्याशी जीते हैं वहां पार्टी से ज्यादा व्यक्तिगत छवि भारी पड़ी है। यही कारण रहा है कि, पार्टी के अधिकृत कई बड़े चेहरों को जनता ने नकार दिया।

चुनाव तो केवल बहाना है मुझे आपसे मिलने आना था

मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान का यह कथन लगभग सभी सभाओं में आम जनता से यह कहना कि, ''चुनाव तो केवल बहाना है मुझे आपसे मिलने आना था'' यह जुमला आम जनता को पसंद नहीं आया। मुख्यमंत्री के विरोधी अब ये कटाक्ष कर रहे हैं कि, मुख्यमंत्री, पंच और सरपंच के चुनाव में कब प्रचार करने आ रहे हैं...? क्या मुख्यमंत्री अब पंच और सरपंच के लिए भी वोट मांगेंगे...?

संगठन पर बागी हुए हावी

अपने आप को अनुशासित पार्टी कहने वाली भाजपा में इस बार सबसे ज्यादा बगावत देखी गई है। यहां मुख्य मुकाबला भाजपा और कांग्रेस का नहीं था बल्कि भाजपा और भाजपा के बागियों के बीच था। पार्टी संगठन तमाम कोशिशों के बावजूद बागियों को मनाने में असफल रहा या यू कहे की पार्टी संगठन ने जनाधार वाले नेताओं को टिकट न देकर अपने चहेतों को खुश करने का प्रयास किया और मुंह की खाना पड़ी। अब इन्हीं निर्दलीय जो जीत कर आए हैं पार्टी उन्हे पुनः अपना बनाने का प्रयास करेगी। शिवराजसिंह चौहान और नरेंद्र मोदी के चेहरे को देखकर लोग वोट नहीं करते है बल्किं स्थानीय चुनाव में स्थानीय मुद्दे और स्थानीय चेहरे ही प्रमुख होते हैं।

भाजपा भले ही यह दावा कर रही है कि, झाबुआ जिले के चारों निकाय में उसका बोर्ड बन जाएगा लेकिन उनके पार्षदों की संख्या कम ही हुई है। यानी भाजपा का ग्राफ गिरा ही है। वह भी उस स्थिति में जब जिले में कांग्रेस को लगभग वॉक ओवर दे ही दिया था। कांग्रेस की और से न तो कोई बड़ा नेता प्रचार के लिए पहुंचा और न ही संगठन की ओर से उन्हें सहयोग मिला। विकल्पहीनता के कारण भी भाजपा को फायदा मिला। बड़े नेताओं का चुनावी प्रचार तथा संगठन के माइक्रो मैनेजमेंट के बावजूद जनता ने स्थानीय नेताओं को उनकी छवि के आधार पर वोट दिए। यही कारण है कि, बड़ी संख्या में निर्दलीय पार्षद जीत कर आए हैं, इसलिए यह जीत भाजपा की जीत नहीं है बल्कि स्थानीय नेताओं की जीत है। कमजोर विपक्ष पर जीत है, बिखरे हुए विपक्ष पर जीत है और सबसे बड़ी बात यह स्थानीय नेताओं के व्यवहार की जीत है। भाजपा इसे अपनी जीत के रूप में प्रचारित न करें। लेकिन अलीराजपुर और सैलाना जो कि, रतलाम संसदीय क्षेत्र के अंतर्गत ही आते हैं, जहां मुख्यमंत्री ने अंतिम समय तक घड़ी देखते हुए प्रचार किया था, वहां की हार भाजपा की हार है। क्योंकि यहां तमाम दाव पेंच लगाने के बाद भी भाजपा अपना बोर्ड नहीं बना सकने की स्थिति में है। यहां कांग्रेस की भी जीत नहीं है यहां स्थानीय नेतृत्व की जीत है जो लगातार जमीनी स्तर पर पकड़ बनाए रखते हुए आम जनता का भरोसा जीतने में सफल हुए हैं।

इस चुनाव को आगामी विधानसभा चुनाव का लिटमस टेस्ट माना जा रहा है और भाजपा को लेकर यह कहां जा सकता है कि, पार्टी भले ही इसे अपनी जीत प्रचारित कर रही है लेकिन कांग्रेस का आत्मसमर्पण, जनता के पास विकल्प का अभाव और स्थानीय मुद्दे को लेकर भाजपा इसे अपनी जीत बता रही है, लेकिन जमीनी हकीकत कुछ और ही है। स्थानीय चुनाव में प्रत्याशी की व्यक्तिगत छवि हावी होती है और इस चुनाव में भी वही हुआ है, प्रत्याशी की व्यक्तिगत छवि पार्टी के चुनाव चिन्ह पर भारी पड़ी है। इस चुनाव में भाजपा की स्थिति उस विद्यार्थी की तरह हो गई है जो परीक्षा में मेरिट में आने का दावा करता है और उसे पास होने के अंक पर ही संतोष करना पड़ता है। इसी प्रकार का दावा भाजपा ने 2018 में किया था, जब वह ''अब की बार दो सौ पार'' के नारे के साथ विधानसभा चुनाव में उतरी थी, लेकिन फिर भी वह सत्ता के आंकड़े तक भी नहीं पहुंच पाई थी।

बहरहाल अब 2023 के चुनाव की उल्टी गिनती शुरू हो चुकी है। सरकार का हर कदम 2023 के चुनावी लाभ-हानि के आकलन के बाद ही उठेगा, हर योजना की कसौटी 2023 का चुनाव होगी। लेकिन क्या भाजपा अपनी जमीनी और वरिष्ठ कार्यकर्ताओं का विश्वास जीत पाएगी...?

22 वर्षों का पुराना सपना भी भाजपा नहीं कर पाई पुरा

वर्षों से पार्टी से जुड़े वरिष्ठ नेता वर्तमान में भाजपा से दूरी बनाते हुए घर बैठ चुके हैं, सत्ता के नशे में भाजपा इन नेताओं की अनदेखी कर रही है। शहरी क्षेत्रों में भले ही भाजपा जीत का दावा कर रही है, लेकिन ग्रामीण क्षेत्रों में सरकार के प्रति नाराजगी देखी जा सकती है। यही नहीं ठोस विकल्प का अभाव भी सरकार के लिए फायदेमंद साबित हो रहा हैं। जहां जनता को विकल्प मिल रहा है, वहां जनता भाजपा और कांग्रेस दोनों को नकार रही हैं, जिसका ताजा उदाहरण जिला पंचायत झाबुआ के वार्ड क्रमांक 9 का रहा है। जिसमें जयस समर्थित चुनावी रणक्षेत्र में नई नवेली लड़की रेखा निनामा ने कांग्रेस और भाजपा के दिग्गजों को धूल चटाते हुए न केवल बड़ी जीत हासिल की, बल्कि भाजपा के जिला पंचायत अध्यक्ष बनाने के 22 वर्षों पुराने सपने को भी चकनाचूर कर दिया।

निश्चित रूप से ये चुनाव छोटे चुनाव कहलाते हैं, लेकिन राजनीतिक पकड़, जनता के मूड और सरकारी योजनाओं की जमीनी हकीकत से रूबरू करवाते हैं वही बड़े चुनावों की दशा और दिशा निर्धारित करते हैं। इन चुनावों को लेकर यही कहा जा सकता है कि, चुनाव भले ही छोटे है लेकिन इनके मायने बहुत बड़े होते हैं और ये चुनाव ही नेतृत्व की नई पीढ़ी तय करते हैं।

अंबानी परिवार को मिली जान से मारने की धमकी

मुम्बई, एजेंसी।

एक अज्ञात शख्स ने बुधवार को दक्षिण मुंबई में स्थित सर एचएन रिलायंस अस्पताल के लैंडलाइन नंबर पर कॉल करके धमकी दी। इस शख्स ने अस्पताल को उड़ाने की धमकी दी। इसके अलावा मुकेश अंबानी और उनके परिवार को भी धमकी देने की बात सामने आई है। इस धमकी के बाद अस्पताल और अंबानी परिवार के घर एंटीलिया के बाहर सुरक्षा में इजाफा कर दिया गया है। बीते दो महीनों में यह दूसरा मौका है, जब अंबानी परिवार को धमकी मिली है। पुलिस के मुताबिक दोपहर करीब 1 बजे अस्पताल में एक अज्ञात शख्स की कॉल आई, जिसमें धमकी दी गई है।

डिप्टी कमिश्नर ऑफ पुलिस नीलोत्पल ने बताया कि, कॉल करने वाले शख्स ने अंबानी परिवार के कुछ लोगों का नाम लेकर भी धमकी दी। इस मामले में डीबी मार्ग पुलिस थाने में केस दर्ज कर लिया गया है। इस मामले की जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस का कहना है कि, आरोपी का पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है। फिलहाल पुलिस यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि आरोपी किस नंबर से कॉल किया था और उसकी पहचान किया था। एक बार यह जानकारी मिलने के बाद आरोपी शख्स की धरपकड़ के प्रयास तेज किए जाएंगे।

इसी वर्ष अगस्त में ही एक 56 वर्षीय ज्वेलर को गिरफ्तार किया गया था। उस पर भी मुकेश अंबानी के परिवार को धमकी देने का आरोप लगा था। उसने मुकेश अंबानी को भी जान से मारने की धमकी दी थी। आरोपी की पहचान विष्णु विधु भौमिक के नाम से हुई थी। उसने 9 बार अस्पताल में कॉल करके धमकी दी थी। इसमें से ही एक कॉल में उसने कहा था कि उसका नाम अफजल गुरु है और वह अगले तीन घंटों में कुछ भी कर सकता है।

मेरे उत्तराधिकारी होंगे मेरे बेटे- एकनाथ

मुम्बई। देश भर में रावण दहन के साथ दशहरा मनाने की तैयारियां चल रही हैं, लेकिन महाराष्ट्र में सियासी पारा चढ़ा हुआ है। एक तरफ उद्धव ठाकरे गुट शिवाजी पार्क में रैली की तैयारियां कर रहा है तो वहीं एकनाथ शिंदे समूह की ओर से भी तैयारी जोरों पर है। यही नहीं इस बीच बयानबाजी की लड़ाई भी जोरों पर है। एकनाथ शिंदे ने रैली से ठीक पहले कविता के जरिए उद्धव ठाकरे पर तंज कसा है। उन्होंने अपने ट्वीट में किसी का नाम नहीं लिया है, लेकिन जो लिखा है, उससे माना जा रहा है कि उन्होंने ठाकरे फैमिली के परिवारवाद पर अटैक किया है। उन्होंने हरिवंश राय बच्चन की पंक्तियां ट्वीट करते हुए लिखा, मेरे बेटे, बेटे होने से मेरे उत्तराधिकारी नहीं होंगे, जो मेरे उत्तराधिकारी होंगे, वो मेरे बेटे होंगे। इसके अलावा एक और ट्वीट उन्होंने किया था, जिसमें उन्होंने बालासाहेब ठाकरे के विचारों को देश और धर्म की रक्षा के लिए अहम बताते हुए लोगों से बीकेसी मैदान पर जुटने का आह्वान किया था। इसी मैदान पर एकनाथ शिंदे गुट दशहरा रैली करने का जा रहा है। एकनाथ शिंदे ने ट्वीट किया, 'विकास की यात्रा में ईश्वर, देश और धर्म की रक्षा के लिए बालासाहेब के विचार महत्वपूर्ण हैं।

जय भा ज पा

विजय भा ज पा

मैं आभारी हूं वार्ड कमांक 09 के समस्त मतदाताओं का
जिन्होने मुझ पर विश्वास जता कर मुझे विजय बनाया।
मैं आभारी हूं मेरे समस्त सहयोगियों का जिनके कड़े परिश्रम से मैं यहां तक पहुंच पाया।
मैं आभारी हूं अपने भाजपा संगठन के समस्त नेताओं और पदाधिकारियों का
जिन्होने मुझ पर विश्वास जताकर मुझे इस योग्य समझा।
मैं कृतसंकल्पित हूं वार्डवासियों से किए समस्त वादों के लिए और पूरी
कोशिश करूंगा कि मैं आपसे किए वादों पर खरा उतर सकूं। पुनः एक बार...

हार्दिक आभार.. हार्दिक धन्यवाद..

जिले की समस्त जनता को नवरात्र महापर्व, असत्य पर
सत्य की विजय दशहरा पर्व एवं शरद पुर्णिमा की

हार्दिक -हार्दिक शुभकामनाएं

स्थानीय भाजपा कार्यकर्ता रहे भाजपा की वापसी के हीरो, प्रदेश सहित जिला संगठन से नहीं मिला मन चाहा सहयोग

4 वार्डों पर सिमट सकता था भाजपा का कारवां, बड़ी मशक्कत के बाद जीते 7 वार्ड, परिषद में बहुमत से एक पार्षद की अब भी रहेगी जरूरत

माही की गूंज , पेटलावद।

30 सितंबर को घोषित नगर परिषद के परिणाम में भाजपा को बहुमत से एक कम 7 वार्डो में जीत मिली। नगर परिषद में भाजपा की परिषद बनेगी ये तय है, लेकिन जिस प्रकार का भाजपा की चुनी हुई पिछली परिषद का कार्यकाल रहा और पूर्व पार्षदों के प्रति जनता में जो आक्रोश था उसको देखते हुए ज्यादातर वार्डो में भाजपा को समर्थन नही मिलता दिखा। वही भाजपा द्वारा घोषित प्रत्याशियो के बाद मामला और बिगड़ गया और चुनाव वोटिंग तक राजनीतिक समीकरण भाजपा का कारवा 4 वार्डो पर सिमटता दिख रहा था। प्रदेश के मुख्यमंत्री को छोड़ दिया जाए तो नगर परिषद के चुनाव में स्टार प्रचारक के रूप में प्रदेश संगठन, मंत्री मंडल, यहां तक कि प्रभारी मंत्री इंदर सिंह परमार तक यहां नही आये। भाजपा के गढ़ में मुश्किल में घिरी भाजपा के स्थानीय मण्डल ने ज्यादातर वार्डो में स्थानीय नेताओं को चुनाव प्रभारी बनाया था, जिन्होंने अंतिम समय मे पासा पलट कर भाजपा को फिर से नगर परिषद में काबिज होने का मौका दे दिया। जिन वार्डो में भाजपा को जीत मिली वो खुद प्रत्याशी की मेहनत और स्थानीय व्यवस्था से सामंजस्य बिठाने पर मिली और जिन वार्डो में चुनोती वहां भाजपा अपने प्रत्याशीयो को जितवा नही पाई।

वार्ड 6 के प्रभारी अजय जैन व नरेन्द्र पाल सिंह।

वार्ड 7 प्रभारी रविराज गुर्जर व लाला चौधरी।

वार्ड 10 के प्रभारी संजय कहार।

वार्ड 6 रहा चुनाव का मुख्य केंद्र, भाजपा नेता अजय जैन और नरेन्द्रपाल सिंह सलूनिया की रणनीति से मिली जीत

नगर का वार्ड नम्बर 6 पूरे चुनाव का मुख्य आकर्षण का केंद्र बना रहा। नामांकन वापसी के अंतिम दिन निर्दलीय मैदान में उतरे पूर्व पार्षद शंकर राठौर के नामांकन वापसी नही करने के बाद भाजपा प्रत्याशी गौतम गेहलोत पार्टी की ओर से चुनाव लड़ने से किनारा कर लिया। विवाद बढ़ता रहा और मुख्यमंत्री की सभा तक मे जिला संगठन वार्ड नम्बर 6 को लेकर चर्चा का विषय बना रहा । सांसद के कोटे से हुई टिकिट के बाद भी सांसद और पूर्व मंत्री निर्मला भूरिया, जिलाध्यक्ष सहित चुनाव प्रभारी ने भाजपा प्रत्याशी का साथ छोड़ दिया। आखिर मण्डल की और से खानापूर्ति के लिए ही वार्ड नम्बर 6 में भाजपा नेता अजय जैन जो बामनिया पंचायत, जनपद सदस्य और जिला पंचायत में बामनिया के प्रभारी रहते हुए तीनो जगह बड़ी जीत दिलवा चुके थे और सोसाइटी अध्यक्ष के पति नरेंद्रपाल सलूनिया जिनका परिवार वर्षो से वार्ड नंबर 6 के लगातार संपर्क में रहा है। दोनों को प्रभारी बनाया गया। जिनके कुशल नेतृत्व में वार्ड में भारी पड़ रहे निर्दलीय प्रत्याशी के सारे प्यादे पीट कर नगर में वार्ड 6 में पहली जीत दर्ज करवाई। जबकि भाजपा वार्ड 1 से 5 वार्ड गवा चुकी थी ऐसे में 6 नम्बर की जीत भाजपा की वापसी का बिगुल बनकर आया। वार्ड प्रत्याशी को लेकर हुए विवाद के बाद प्रदेश की राजनीति को इस वार्ड के परिणाम का बेसब्री से इंतजार था।

अध्यक्ष के वार्ड पर भाजपा नही दिखी मेहनत करते, युवा कार्यकर्ताओ ने किया उलटफेर

भाजपा की कमजोर रणनीति कहे या फिर आदिवासी वार्डो की अनदेखी जहां से नगर परिषद को इस बार पहली बार आदिवासी महिला अध्यक्ष मिली है। वहां पर कोई बड़ी व्यवस्था नही की और प्रत्याशी ने खुद के कार्यकर्ताओ के दम पर जीत हासिल की। वार्ड 7 से मैदान में उतरी ललिता योगेश गामड़ जिनका नाम चुनाव के पहले से अध्यक्ष के रूप में चर्चा में है, उनके सामने पूर्व पार्षद मौहन मैड़ा की पत्नी को सम्पूर्ण धन-बल के साथ मे मैदान में उतर कर भाजपा को झटका देने की तैयारी कर ली थी। लेकिन प्रत्याशी के साथ जुड़े उनके पति योगेश गामड़, वार्ड प्रभारी पूर्व पार्षद लाला चौधरी, युवा कार्यकर्ता प्रकाश गुर्जर और रिवराज़ गुर्जर ने इस वार्ड की पूरी बागडोर अपने हाथ मे रखते हुए भाजपा के खाते में दूसरी जीत डाली । प्रकाश गुर्जर, लाला चौधरी और रवि गुर्जर की ही मेहनत थी कि, इस वार्ड में भाजपा गज्जा खाने से बच गई।

खुद का चुनाव छोड़ महामंत्री कहार भाजपा के लिए छीन लाये कांग्रेस के जबड़े से जीत

पूरे चुनाव के दौरान नगर का वार्ड 11 ऐसा वार्ड था जिंसमे भाजपा की जीत सुनिश्चित थी। जहां मण्डल महामंत्री की पत्नी किरण कहार मैदान में थी, वार्ड 11 से लगा वार्ड 10 जो कि, लम्बे समय से कांग्रेस के कब्जे में रहा है। वार्ड दस में भाजपा की और से उतरे सजंय चाणोदिया की स्थिति ठीक नही थी जिसको देखते हुए मण्डल महामंत्री सजंय कहार ने खुद इस वार्ड का मोर्चा खुद की पत्नी का वार्ड छोड़ कर संभाला और अंततः परिणाम में इस वार्ड दस का परिणाम सबसे से कम मतों से हार-जीत के साथ खत्म हुआ ओर महामंत्री की कड़ी मेहनत के बाद भाजपा प्रत्याशी 6 मतों के मामूली अंतर से जीत कर कांग्रेस की परम्परगत वार्ड में कांग्रेस को धराशाई कर दिया। साथ ही कम मैनेजमेंट में खुद के वार्ड में पत्नी को वार्ड 11 में वोट प्रतिशत के अनुसार सबसे बड़ी जीत दिलवाई ।

पूर्व नगर परिषद उपाध्यक्ष और भाजपा के भीष्मपितामह पर भारी पड़ी परिवार और मित्रो की एकता

वार्ड 12 में यू तो मुकाबला एक तरफा माना जा रहा था लेकिन यहां से मैदान में उतरे पूर्व नगर परिषद उपाध्यक्ष आज़ाद गुगलिया ओर उनके पीछे भाजपा के ही बड़े नेता पर्दे के पीछे से उतर कर भाजपा को ही हराने में लग गए, यहां पूर्व जिला महामंत्री हेमन्त भट्ट को प्रभारी बनाया था जो वार्ड 5 में ज्यादा सक्रिय रहे। वार्ड 12 में मिली जीत के पीछे भाजपा प्रत्याशी रेखा प्रदीप पटवा का व्यवहार, वार्ड के गुमनाम भाजपा के मामूली कार्यकर्ता और उनके परिवार ने मिल कर भाजपा के बड़े दिग्गजो की रणनीति को पटखनी देकर जीत दर्ज करवाई ।

निर्मला भूरिया व गुमानसिह डामोर।

वार्ड 13 में जिला मंत्री मोटपाला और पूर्व युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष नीलेश मीणा ने रचा इतिहास

वार्ड 13 नगर का एक ऐसा वार्ड है जो मुस्लिम बाहुल्य वार्ड है जिंसमे हमेशा कांग्रेस ही जीत दर्ज करती रही है। यहां से पूर्व में मामूली अंतर से चुनाव हार चूके भूरालाल मुनिया की पत्नी ने जमना भूरिया को मैदान में उतारा था भाजपा इस वार्ड को हारा हुआ मान रही थी लेकिन वार्ड प्रभारी के रूप ने मोर्चा संभालने वाले जिला मंत्री दुर्गादास मोटपाला और नीलेश मीणा पूर्व जिला अध्यक्ष युवा मोर्चा लगातार दस दिन तक वार्ड में जमे रहे और कांग्रेस में पड़ी फुट का फायदा उठाते हुए अपनी कुशल रणनीति से भाजपा को ऐतिहासिक जीत 22 वोटो से कांग्रेस के गढ़ में दिला दी और आश्चर्यजनक रुप से इसी वार्ड की जीत ने भाजपा को नगर परिषद में पूर्ण बहुमत के करीब लाकर भाजपा की पैनल बिठाने के करीब ले आये।

भारत-पाकिस्तान जैसा मुकाबला बना वार्ड 14, युवा मोर्चा जिलाउपाध्यक्ष जितेंद्र राठौर की रणनीति कर गई काम

वार्ड 14 में भाजपा और कांग्रेस का सीधा मुकाबला था , यहां भाजपा और कांग्रेस की ओर से जमीनी कार्यकर्ता मैदान में थे और काम के दम पर लड़ाई बराबर की थी। भाजपा की और से हंसा शिवा राठौर मैदान में थी तो कांग्रेस की और कांग्रेस कार्यकर्ता जावेद लोदी की पत्नी मैदान में थी। बाज़ार में इस मुकाबले को भारत-पाकिस्तान के क्रिकेट मेच जैसा मुकाबला भी कहा गया और कांग्रेस यहां भाजपा पर भारी पड़ती दिख रही थी, क्योकि विधायक वालसिंह मैड़ा खुद इस वार्ड का मोर्चा संभाले हुए थे। भाजपा की और से झकनावदा के युवा मोर्चा के जिलाउपाध्यक्ष जितेंद्र राठौर और भाजपा कार्यकर्ता दीपक राठौड़ को प्रभारी बनाया जो पूर्व में विधायक मैड़ा के प्रतिनिधि रह चुके है और उनकी रणनीति से परिचित थे। राठौर के मैदान में आते ही वार्ड के परिणाम पर फर्क साफ दिखने लगा उन्ही की रणनीति थी की मैदान में हिन्दू संगठनों को उतार कर बाज़ी पलट दी और 108 वोटों से भाजपा को जीत दर्ज करवा दी।

मुश्किल वार्डो में नजर नही आया भाजपा का मैनेजमेंट, थोड़ी मेहनत होती तो बढ़ती भाजपा की सीटें, वार्ड 1 और 5 की क्रासिंग भारी पड़ी

नगर परिषद के कुछ वार्ड शुरू से लेकर अंत तक गंभीर स्थिति में रहे जिंसमे वार्ड 5,8 और 9 में भाजपा की लगभग हार तय मानी जा रही थी, इससे भाजपा का मण्डल भी अंजान नही थे। लेकिन मण्डल के लाख प्रयास के बाद भी जिले ओर प्रदेश से बड़ा सहयोग नही मिला जिसके चलते तीनो वार्डो में भाजपा को करारी हार मिली, सामाजिक वोटों की क्रासिंग वार्ड 1 पर भी भारी पड़ी जहां जैन और ब्राह्मण वोटो की क्रासिंग की योजना फैल हो गई और इसी के चलते वार्ड 1 में भी हार का सामना करना पड़ा। ऐसी ही कहानी वार्ड 4 की थी जहां भाजपा प्रत्याशी के साथ भाजपा नेता कम और कांग्रेस प्रत्याशी के साथ भाजपा नेता अधिक दिख रहे थे।

पूर्व मंत्री निर्मला भूरिया का नही चला जादू , खुद लड़ रही हु चुनाव बोल कर भी नही दिला पाई जीत,सांसद रहे दूर

मैदान में उतरे ज्यादातर प्रत्याशी खुद के दम और स्थानीय नेताओं के साथ से जीते, जिन वार्डों में बड़े नेताओं की जरूरत वहां पेटलावद में केवल भाजपा बल्कि निर्मला भूरिया का भी गढ़ रहा है, उनको मैदान में उतारा लेकिन इस चुनाव में मेडम भूरिया का जादू नही चला। यहां कुल चार एसटी वार्डो में जिन दो वार्डो 3 ओर 15 एवं 8 नम्बर एसी वार्ड जिंसमे निर्मला भूरिया ने पूरी ताकत झोंकी लेकिन जीत के नाम पर कुछ हासिल नही हुआ। बताया जा रहा है वार्ड 3 में निर्मला भूरिया ने तीन से चार बैठके ओर जनसंपर्क किया लेकिन जीत तो ठीक भाजपा प्रत्याशी तीसरे नम्बर पर चला गया। यहां तक बताया जा रहा है निर्मला भूरिया ने बैठक में इस वार्ड को अध्यक्ष का वार्ड ओर मैं चुनाव लड़ रही हु, ऐसा बता कर भी वोट मांगे लेकिन उनकी ये रणनीति फेल हो गई । वार्ड 8 में भी भूरिया के लिए कुछ हाथ नही आया यहाँ भाजपा ने करोड़ो के काम पिछली परिषद में किए ज्यादातर निर्मला भूरिया इस वार्ड में भ्रमण करती रही है। यहां निर्मला भूरिया भाजपा के बागियों को भी नही सम्भाल पाई, जीन वार्डो में निर्मला भूरिया प्रचार करने गई वहां ज्यादातर हार का सामना करना पड़ा। दूसरी ओर विरोध ओर स्थानीय नेताओं के विरोध के चलते सांसद गुमानसिंह डामोर को पेटलावद से दूर ही रखा गया, सांसद ज्यादातर समय रात में आये और निकल गए । परिषद से 15 वार्डों में उतरे प्रत्याशियो ने सांसद से प्रचार करने तक की मांग नही की।

वार्ड 12 प्रत्याशी रेखा पटवा।

वार्ड 13 प्रभारी निलेश मीणा व दुर्गादास मोटापाला।

वार्ड 14 के प्रभारी जितेन्द्र व दिपक राठोर।

कांग्रेसी विधायक मैड़ा के रहते कांग्रेस का हुआ सुपड़ा साफ, नगर परिषद चुनाव में दस वार्डों में कांग्रेस प्रत्याशियों की जमानत जप्त

बेटे के चुनाव में दिल खोल कर खर्च करने वाले वालसिंग नगर परिषद के कई वार्डो में नही आए नजर, खुद के वार्ड से प्रत्याशी को मिले 7 मत

जनपद, जिला पंचायत के बाद नगर परिषद निपटने वाले विधायक पर क्या चुनाव में खेलेगी कांग्रेस दोबारा दाव...?

माही की गूंज, पेटलावद। राकेश गेहलोत

नगर परिषद चुनाव इस बार भाजपा की कमजोर रणनीति के लिए नही बल्कि कांग्रेस के विधायक वालसिंह मैडा के सुपर फ्लॉप शो के लिए भी जाना जाएगा। कांग्रेस के विधायक रहते नगर में नगर परिषद चुनाव में उतरी कांग्रेस का चुनाव में प्रदर्शन इतना घटिया रहा कि, 15 वार्डो में से 10 में जमानत जप्त हो गई। जिन पांच वार्डो में जमानत बची उसमे से केवल एक ही वार्ड में जीत पाए और वो जीत भी कही न कही कांग्रेस की नही होकर व्यक्तिगत थी। बाकी चार वार्डो में जिन वार्डो में जमानत जप्त हुई इसमें से कई वार्ड ऐसे थे जिनमें कांग्रेस के वोट दो अंकों में भी नही आये। कांग्रेस का प्रर्दशन इतना स्तरहीन रहा कि, जिन चार वार्डों में कांग्रेस जमानत बचा पाई उसमे से दो वार्ड में निर्दलीयों से भी पीछे रह गई। विधायक मैड़ा रामा क्षेत्र के रहने वाले है लेकिन अपना दबदबा पेटलावद क्षेत्र में बनाने के लिए लम्बे समय से पेटलावद में रह रहे है, जिस वार्ड में विधायक मैड़ा का घर है उस वार्ड में भी कांग्रेस को दस मत नही मिले। जबकि पूरे वार्ड में लगभग 10 कांग्रेसी नेताओं के घर थे, खुद कांग्रेस के लोगो ने कांग्रेस प्रत्याशी को वोट नही दिया। जिले की राजनीति में हर कोई भाजपा के प्रदर्शन की बात कर रहा है, क्योंकि इतिहास में पहली बार भाजपा यहां पूर्ण बहुमत की पैनल नही ला पाई और निर्दलीय हावी रहे। लेकिन कांग्रेस का प्रर्दशन का आकलन किया जाए तो भविष्य में नगर की राजनीति से दूर रहना ही कांग्रेस के लिये ठिक रहेगा।

टिकिट की ख़ानापूर्तिः कई वार्डो में नही घूमे विधायक, 3 वर्ष बाद पेटलावद आये विक्रांत भी करीबियों का कर गए जनसंपर्क

नगर परिषद चुनाव में हर बार कांग्रेस की स्थिति खराब रहती है फिर भी मरी से मरी हालत में दो से तीन वार्ड में जीत दर्ज कर ही लेती है। जहां हार मिलती है वहा प्रर्दशन ठीकठाक रहता है लेकिन इस बार जनता ने कांग्रेस को सिरे से नकार दिया। लाख भाजपा की पूर्व परिषद की बुराई थी इसके बाद भी जनता ने कांग्रेस का रुख नही किया। चुनाव से पूर्व मीडिया को घर बुलाकर नगर परिषद में कांग्रेस पैनल बैठाने का दावा कर विकास की गंगा बहाने की बात करने वाले विधायक साहब को जनता ने सीधा उनके गांव झकेला का रास्ता दिखा दिया। विधायक मैड़ा खुद इस हार को भाप चुके थे और कई वार्डो में केवल खानापूर्ति के लिए प्रत्याशी खड़े किए जिनके प्रदर्शन से भाजपा और निर्दलीयों की सेहत पर कोई फर्क नही पड़ा। जिन वार्डो में कांग्रेस मैदान में थी वहां प्रचार के लिए खुद विधायक तक नही गए और केवल उन तीन से चार वार्डो में घूमते रहे जहां उनको जीत का भरोसा था।

यूथ कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष विक्रांत भूरिया भी चुनाव प्रचार के नाम पर तीन साल में पहली बार पेटलावद में देखे गए और सिर्फ अपने करीबियों के वार्डो में जनसंपर्क करके निकल गए जहा एक भी जीत कांग्रेस को नही मिली।

बेटे का मोह ले डूबेगा वालसिंह को, भाजपा से हाथ मिलाकर जिताया बेटे को, जनपद ,जिला पंचायत में प्रर्दशन कमजोर

विधायक कांतिलाल भूरिया के बाद विधायक मैडा भी पुत्र मोह में ऐसे अंधे हुए की खुद के राजनीतिक जीवन पर ग्रहण लगवाने की तैयारी कर ली। जिला पंचायत चुनाव में पेटलावद विधानसभा चुनाव में कांग्रेस का प्रदर्शन कमजोर रहा, पेटलावद विकास खण्ड की तीन जिला पंचायत सीटो में कांग्रेस को केवल 1 जीत मिली, जो कि खुद वालसिंह के बेटे की थी। जिसके लिए विधायक ने भाजपा से साठ-गांठ की ओर लाखो रुपये लुटाए, खुद की पार्टी के लोगो को टिकिट नही देकर रामा से यहां लाकर बेटे को चुनाव लड़ाया। कांग्रेस का गढ़ कहे जाने वाला रायपुरिया सेक्टर से जिला पंचायत में इस बार भाजपा को 12 हजार मतों से जीत मिली, जो कि पिछली चार विधानसभा चुनाव में हार-जीत का इतना अंतर नही रहा। वही रामा की दो जिला पंचायत सीटों पर कांग्रेस का सूपड़ा साफ हो गया और एक भाजपा तो दूसरी निर्दलीय के खाते में चली गई। रामा जनपद में विधायक ने जरूर भाजपा को मौका नही दिया, लेकिन कभी कांग्रेस की रही जनपद पेटलावद में कांग्रेस की वापसी नही करा सके। यहां 25 जनपद सदस्य में से विधायक मैड़ा तीन सदस्य ही जीता सके। ग्राम पंचायतों में भी कांग्रेस की स्थिति गंभीर रही और 77 पंचायतो में से 15 से 17 पंचायतो में कांग्रेसी सरपंच जीत पाये।

कांग्रेस से इस बार कट सकता है वालसिंह मैड़ा का टिकट, जयस जहा हावी वहां कांग्रेस टिकिट देगी कह चुके है कमलनाथ

आज की परिस्थिति में देखा जाए तो पेटलावद विधानसभा भाजपा के खाते में जा रही है। पुराने चेहरे पर दाव लगा कर भाजपा जरूर मुश्किल में आ सकती है लेकिन नए युवा चेहरे के साथ भाजपा की जीत इस क्षेत्र से पक्की है। भाजपा की मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस है और वालसिंह मैड़ा 2023 में वापसी करते कही से कही नही दिख रहे। खुद कांग्रेस के नेता अब वालसिंह मैड़ा को आराम देना चाह रहे है, यहां भाजपा को 2023 में मिलने वाली जीत का सबसे बड़ा फेक्टर जयस संगठन का चुनाव मैदान में उतरना माना जा रहा है, जो सबसे पहले कांग्रेस को पूरी तरह समेट देगा ये तय है। कई विधानसभाओ में जयस के बढ़ते ग्राफ और प्रदर्शन को देख कर पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ पहले ही कह चुके है कि, जिन विधानसभा क्षेत्र में जयस का दबदबा है वहा जयस से जुड़े कार्यकता को कांग्रेस टिकिट देगी। ऐसे में पेटलावद विधानसभा में भी कांग्रेस इस बार जयस संगठन से जुड़े व्यक्ति को अपना चेहरा बना दे तो कोई बड़ी बात नही है। विधायक वालसिंह मैड़ा की मुश्किलें बढ़ती जा रही है और पंचायत चुनावों के बाद नगर परिषद के चुनावों में कांग्रेस के प्रदर्शन ने विधानसभा में वालसिंह मैड़ा की टिकिट खतरे में डाल दी है।

नगर परिषद पेटलावद के चुनाव में वार्डो में कांग्रेस का प्रदर्शन

वार्ड 1:- कांग्रेस प्रत्याशी जीवन ठाकुर वर्तमान में नगर परिषद में विधायक प्रतिनिधि और प्रभारी ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष रहते अपनी जमानत नही बचा पाए, उन्हें कुल 1161 में से मात्र 50 मत मिले।

वार्ड 2:- यहा कांग्रेस को प्रत्याशी तक नही मिला, जो चुनाव जीता वो भी चुनाव से पहले कांग्रेस छोड़ कर मैदान में उतरा।

वार्ड 3:- शिक्षित बहादुर डामर को मैदान में उतारा था जो जीत के करीब था लेकिन कांग्रेस विधायक ने यहां मेहनत की और 200 के करीब मत लाकर दूसरे नम्बर पर रहे और जमानत बचा ली।

वार्ड 4:- कांग्रेस के दिनेश पडियार को जीत मिली इसमें योगदान खुद प्रत्याशी ओर आधा भाजपा का है, जो खुद यहां दिनेश पडियार की जीत के लिए कांग्रेस से ज्यादा मेहनत कर रही थी।

वार्ड 5:- कांग्रेस कार्यकर्ता भारती गांधी मैदान में थी उनको केवल 7 मत मिले, इसी वार्ड में विधायक का निवास स्थान और कई कांग्रेसी कार्यकर्ताओ के घर है। यहां कांग्रेस की जमानत जप्त हो गई।

वार्ड 6:- यहा विधायक प्रतिनिधि जीवन ठाकुर के भाई लाखन सिंह चौहान को टिकिट मिली थी, जो दस का आंकड़ा नही छू सके, जबकि वार्ड में परिवार के इससे भी ज्यादा वोट थे, यहां भी कांग्रेस की जमानत जप्त हुई।

वार्ड 7:- कांग्रेस की टिकिट पर चुनाव लड़ने वाली रतनबाई हटिला को मात्र 13 मत मिले, यहां भी कांग्रेस की जमानत जप्त हुई।

वार्ड 8:- कांग्रेस की टिकिट पर लगातार दूसरी बार गोपाल परमार उतरे और अकेले ही मैदान में लगे रहै और अपनी और कांग्रेस की जमानत नही बचा से सके, यहाँ कॉंग्रेस को मात्र 41 वोट मिले।

वार्ड 9 :- कांग्रेस के मीडिया प्रभारी चंदू राठौर मैदान में उतरे थे जिन्हें मात्र 2 मत मिले, वो खुद सोच रहे कि, ये मत किसने दिये, यहां भी कांग्रेस की जमानत जप्त हुई।

वार्ड 10:- यह कांग्रेस की परंपरागत सीट थी जहां से कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष के भाई राजकुमार मुथा मैदान में थे, खुद अपनी परंपरागत सीट से हार गए और 111 मतों के साथ तीसरे नंबर पर रहे हालांकि जमानत बचा ली ।

वार्ड 11:- कांग्रेस से मैदान में उतरी महिला प्रत्याशी अर्चना सोलंकी को मात्र 39 वोट मिले, यहां भी कांग्रेस की जमानत जप्त हो गई।

वार्ड 12: - कांग्रेस की महिला प्रत्याशी जुली परमार को मात्र 4 वोट वो भी उनके घर के मिले, यहां भी कॉंग्रेस की जमानत जप्त हुई।

वार्ड 13:- कांग्रेस के कब्जे में पिछले 35 सालों से रहा यह वार्ड, यहां कांग्रेस सही प्रत्याशी का चयन नही कर पाई, यहा दो धड़ों में बटी कांग्रेस के कारण भाजपा को पहली बार जीत मिलीं। यहाँ कांग्रेस प्रत्याशी नंदू गरवाल को 116 मत मिले और जमानत बचा ली, पर यहां भी कांग्रेस तीसरे नंबर पर रही।

वार्ड 14:- यहा से कांग्रेस के पास जीत का मौका था यहां विधायक के खास जावेद लोधी की पत्नी मैदान में थी, विधायक मैडा ने यहां हर सम्भव कोशिश की लेकिन नाकामयाब रहे, सीधे मुकाबले में कांग्रेस प्रत्याशी शहजादी लोधी को 201 मत मिले और जमानत बचाने में कामयाब रही।

वार्ड 15:- हतूड़ी भाभर को कांग्रेस ने मैदान में उतारा था लेकिन लाख प्रयास के बाद भी यहां से कांग्रेस जीत तो ठीक जमानत भी नही बचा पाए, यहां कॉंग्रेस को 67 मत मिले और जमानत जप्त हुई।

वार्डो के विश्लेषण के बाद देखा गया कि, कई वार्डो में कांग्रेस को 10 मत भी नही मिले, तो कई वार्ड ऐसे थे जहां लोगो ने कांग्रेस से ज्यादा नॉटो को मत दिए। कांग्रेस के इस प्रदर्शन के बाद कांग्रेस को जमीनी स्तर पर उतर कर एक बार ओर देखना होगा कि, वो आने वाले चुनावों में खुद के निशान पर नगर परिषद के चुनाव में उतरे की नही उतरे।

नगर की सरकार का कौन बनेगा सिरमौर...

अध्यक्ष के लिए दो, उपाध्यक्ष के लिए कई चेहरे आये सामने, विकास के नाम पर 5 वर्ष गर्त में न चले जाएं फिर से

भाजपा की और से किरण कहार का तो निर्दलीय मुकेश परमार ने भाजपा संगठन से उपाध्यक्ष पद के लिए किया दावा

ललिता योगेश गामड़ अध्यक्ष पद की मुख्य दावेदार।

अध्यक्ष पद के लिए चुनोती देती जमना भूरा मुनिया।

उपाध्यक्ष के लिए मुख्य दावेदार किरण कहार।

माही की गूंज, पेटलावद।

नगर परिषद पेटलावद के चुनाव सम्पन्न हो चुके है। 30 सितंबर को परिणाम आने के बाद ये तय हो गया है कि, एक बार फिर नगर परिषद में भाजपा की पैनल बैठेगी। लेकिन हर बार की तरह भाजपा एक तरफा जीत हासिल नही कर पाई और परिषद में पूर्ण बहुमत से एक वार्ड कम जीत पाई है। हालांकि भाजपा के लिए ये कोई मुश्किल भरा काम नही होगा क्योंकि नगर परिषद में जीते निर्दलीयों में तीन से चार पार्षद भाजपा के बागी है जो भाजपा को समर्थन कर सकते है। 15 माह की कांग्रेस सरकार में बदली चुनाव प्रकिया और पहली बार नगर परिषद में आदिवासी महिला के खाते में अध्यक्ष पद जाना है। ऐसे में स्थानीय नेता ऐसा अध्यक्ष की खोज कर रहे है, जो इशारे पर काम करे। हालांकि भाजपा की और से दो महिला प्रत्याशी विजय हुई है, उसी में से एक का अध्यक्ष बनना तय है। वार्ड क्रमांक 7 से ललिता योगेश गामड़ ने एक तरफा जीत हासिल की वहीं 35 साल बाद वार्ड क्रमांक 13 में भाजपा से जमना भूरालाल को जीत मिली है। अब दोनों पक्षो की और से अध्यक्ष पद की कैम्पेनिंग शुरू हो चुकी है। हालांकि दो अन्य महिला प्रत्याशी भी निर्दलीय जीती हुई है लेकिन उनकी और से कोई दावा फिलहाल नही है। यहां 15 से 30 अक्टूम्बर तक अध्यक्ष-उपाध्यक्ष के चुनाव सभावित है उससे पहले दोनो मुख्य दावेदार अपनी-अपनी कोशिश कर रहे है। वही निर्दलीय जीते 7 पार्षद में से ज्यादातर भाजपा में फूट का इंतज़ार कर मौके की तलाश में है।

उपाध्यक्ष के लिए जोड़-तोड़, अनुभवहीन परिषद को आखिर कौन संभालेगा...?

पहली बार आदिवासी महिला के लिए आरक्षित हुई सीट के बाद उपाध्यक्ष की भूमिका बढ़ गई है। पूरे चुनाव में उपाध्यक्ष के ज्यादातर दावेदार वार्डो में निपट गए। 10 वर्षों पुरानी राजनीति को जनता ने विराम देकर नए लोगो को चुन लिया। अब गेर अनुभवी परिषद में उपाध्यक्ष का पद महत्त्वपूर्ण हो चला है। बात करे 15 वार्डो की तो वार्ड नम्बर 11 से जीती किरण सजंय कहार का दावा सबसे मजबूत है, क्योंकि इस वार्ड से तीसरी बार जीत दर्ज की है ओर एक मात्र अनुभवी पार्षद है। वर्तमान में मण्डल महामंत्री संजय कहार है इसलिए संगठन में इनका नाम सबसे पहले लिया जाएगा। महिला अध्यक्ष और महिला उपाध्यक्ष की स्थिति बनने पर अगर संगठन को एतराज हुआ तो फिर भाजपा की और से जीते दो चेहरे गौतम गेहलोत और सजंय चाणोदीया के नामो पर पार्टी विचार कर सकती है।

निर्दलीयों का दावा भी मजबूत , संगठन ने नही माना बागी, मुकेश परमार का दावा मजबूत

टिकिट वितरण में हुई लापरवाही का खामियाजा भाजपा को भुगतान पड़ा और 7 निर्दलीय पार्षद जीत कर आए है जिंसमे से 4 भाजपा के बागी है जिन पर भाजपा ने चुनाव के दौरान कोई अनुशात्मक कार्यवाही ओर निष्काशन नही किया। निर्दलीय चार से पाँच पार्षद भाजपा को समर्थन देने को तैयार है, लेकिन वो उपाध्यक्ष के पद की मांग कर रहे है, वार्ड नम्बर 1 से जीत कर आए मुकेश परमार के नाम पर ज्यादातर निर्दलीय सहमती दिख रहे है। लेकिन वो चाहते है उन्हें भाजपा का चेहरा बनाया जाए, किसी निर्दलीय का भाजपा प्रत्याशी के सामने मैदान में उतरना मुश्किल लग रहा है। ये भाजपा को तय करना है नगर विकास के लिए कौन उपयुक्त रहेगा। भाजपा के जीते प्रत्याशीयो सहित निर्दलीय अपने स्तर पर भोपाल की लॉबिंग में लगे है जहा से कब कोंनसा उलटफेर हो जाये कहा नही जा सकता।

नगर विकास को लग सकता है ग्रहण

बीते 5 वर्ष विकास के नाम पर कोई काम नही हुआ, रोड, नाली, लाइट, सफाई जैसे मुद्दों को छोड़ दिया जाए तो पिछले कार्यकाल में भाजपा आमजन की भावना पर खरी नही उतर सकी, जबकि पूरी पैनल भाजपा की थी। इस बार मामला थोड़ा अलग है 7 भाजपा तो 7 निर्दलीय पार्षद ओर एक कांग्रेस पार्षद जीत कर मैदान में आए है। सब कुछ सही रहा तो भाजपा की पैनल दोबारा बनेगी लेकिन पार्टी में फूट ओर पद पाने की लालसा उमड़ी तो फिर कुछ भी सम्भव है। जिससे नगर विकास को एक बार फिर ग्रहण लगना सम्भव है...! क्योकि चुनाव में दो धड़ों में बटी भाजपा अगर परिषद में दो धड़ों में बटती है तो फिर आपसी खींचतान के बीच 5 वर्ष निकलना तय है।

पुरूष उपाध्यक्ष पर बनी राई तो गौतम गेहलोत।

संजय चाणोदीया भी रहेगे भाजपा की और से दावेदार।

निर्दलीय प्रत्याशी मुकेश गंगाराम परमार के उपाध्यक्ष पद के लिए संगठन में चर्चा

न सुर थके न कदम रुके, अल सुबह तक चले गरबे

संकटमोचन गरबा पांडाल में कन्या भोज।

रोग्यादेवी गरबा पांडाल में जमकर झुमे श्रद्धालु।

माही की गूंज,खवासा।

जैसे-जैसे नवरात्रि अपने समापन की और बढ़ रही थी वैसे-वैसे ही गरबा पांडालो की रोनक बढ़ती ही जा रही थी। शक्ति की भक्ति में गरबा खेल कर मां की आराधना की जाती है और गरबा पांडालो में अल सुबह तक गरबा खेलें जाते रहे।

स्थानीय रोग्यादेवी मंदिर पर आकर्षक विद्युत सज्जा के साथ 9 दिन तक भव्य गरबा आयोजित किया गया। आकर्षक विद्युत सज्जा, सुमधुर वाद्य यंत्र, लाइटिंग और साउंड के साथ ही बेहतरीन गरबा गायक ने अपनी सुमधुर आवाज से इस आयोजन पर चार चांद लगा दिया। कई लोग इसे अब तक का बेहतरीन आयोजन भी बता रहे हैं। यहां बड़ी संख्या में बालक-बालिकाओं, महिलाओ एंव पुरूषो ने देर रात तक गरबा खेलकर मां की आराधना की। इस दौरान समिति के सदस्यों ने उत्कृष्ट व्यवस्था की। अंतिम दिन समिति की और से माताजी की प्रसादी के रूप में प्रोत्साहन साम्रगी भेंट की गई। वही पूर्व विधायक कलसिंह भाभर और पेटलावद के नवनिर्वाचित पार्षद गौतम गेहलोत भी गरबा देखने पहुंचे थे।

इसी कड़ी में बस स्टैंड स्थित संकट मोचन मित्र मंडल द्वारा भी शानदार गरबा आयोजित किया गया। जिसमें बाहर की टीम द्वारा भी आकर्षक प्रस्तुतियां दी गई, अंतिम दिन कन्या भोज व माताजी की महाआरती की गई। साथ ही बुधवार को संकट मोचन मित्र मंडल द्वारा ग्राम में प्रथम बार रात्री में माता रानी का विसर्जन चल समारोह बैंड-बाजो, तासो व बग्गी के साथ धुम-धाम से निकाला गया। जिसमें उज्जैन के प्रसिद्ध कडाबिन तोप व धार के हरिदास ग्रुप द्वारा आकर्षित प्रस्तुतिया दी गई।

रोग्यादेवी गरबा समिती ने गरबा खेलने वाली समस्त बालिका एंव महिलाओ को प्रोत्साहन प्रसादी भेट करते हुए।

रावण दहन की परम्परा को जारी रखा बच्चो ने

वैसे तो स्थानीय निकाय की ओर से दशहरे के उपलक्ष्य में रावण बनवाने व दहन करवाने की व्यवस्था होती है। परन्तु खवासा, थांदला जनपद की सबसे बडी पंचायत होने के बावजुद भी यह व्यवस्था ग्राम पंचायत खवासा की और से नही की जाती है। दशहरे पर रावण दहन की इस परम्परा को ग्राम के छोटे-छोटे बच्चो में उत्साह दिखाते हुए उक्त रावण दहन की परम्परा को कायम रखे हुए है। प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी उक्त परम्परा को जारी रखते हुए बच्चो ने एक से अधिक छोटे-छोटे रावण के पुतले बनाए व बच्चो में रावण दहन की इस परम्परा को जारी रखने एंव उनके उत्साहवर्धन के लिए रोग्यादेवी गरबा समीति दसदिनी गरबा महोत्सव आयोजन रख दशहरे को गरबा महोत्सव का समापन होता है। इस वर्ष भी दसदिनी गरबा महोत्सव के साथ बच्चो द्वारा बनाए गए रावण के पुतले का निलामी बोली के साथ समीति द्वारा सहयोग कर रावण दहन किया गया।

गढ़ खखारी माताजी से दलपुरा पिपलीपाड़ा रोड का हुआ भूमि पूजन

माही की गूंज, बनी। ऋषभ गुप्ता

दशहरा के पावन अवसर पर वर्षों से लंबित पड़े मुख्यमंत्री ग्रामीण विकास सड़क योजना के अंतर्गत रोड का भूमि पूजन कार्यक्रम संपन्न हुआ। गढ़ खखारी माताजी के नाम से प्रसिद्ध रोड की लागत 90 लाख रुपए है, इस रोड का निर्माण आरएस कंस्ट्रक्शन कंपनी भोपाल के द्वारा किया जाएगा। इस मार्ग के बनने पर गांव बनी,पिपलीपाड़ा, मथुरिया, छापरी, दलपुरा के ग्रामवासियों को आवागमन में सुगमता रहेगी। सड़क का भूमि पूजन विधि विधान से किया गया। इस अवसर पर पधारे अनुसूचित जनजाति मोर्चा के जिला अध्यक्ष अजमेरसिंह भूरिया को गेती देकर शुभारंभ के लिए आमंत्रित किया। मगर अजमेरसिंह भूरिया ने अपनी मानवीयता दिखाते हुए ग्रांम के वरिष्ठ नागरिक उकीचंद देवराम जी पाटीदार से शुभारंभ करवाया। इस शुभ अवसर पर सरपंच नानूडी बाई, कालूसिंह मचार, जनपद सदस्य शंभू निनामा, उपसरपंच गोपाल पटेल, मणिलाल जैन एवं ग्रामवासी धर्मेंद्र भूरिया, सरपंच गुलसिह गामड़, सचिव देवीलाल भाभर, समस्त पंचगण और रोड निर्माण कंपनी के फील्ड मैनेजर सुमित सिंह राजपूत आदि मौजूद थे।

सर्पदंश से मौत

माही की गूंज, खवासा।

खवासा चौकी क्षेत्र से ग्राम परवाड़ा में मंगलवार अलसुबह वनना पति मुकेश मैंड़ा (25) घर से नजदीक खेत में गई थी कि, उसी समय खेत में सर्प ने डस लिया, जिससे वनना की मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले को जांच में लिया।

ओवर ब्रिज निर्माण में बरती लापरवाही, कॉन्ट्रेक्ट रद्द, ठेकेदार को किया ब्लैकलिस्ट

माही की गूंज, मंदसौर।

संजीत ओवर ब्रिज निर्माण में लापरवाही पर उज्जैन कार्यपालन यंत्री ने अनुबंध (कॉन्ट्रेक्ट) रद्द कर दिया हैं। ठेकेदार को ब्लैक लिस्टेड करने की कार्रवाई कर दी है। ठेकेदार जे आर अग्रवाल ने भोपाल सुप्रीटेंडेट इंजीनियर के समक्ष अपील की है। डेढ़ सप्ताह में सुनवाई होगी, संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर ब्लैक लिस्टेड कर दिया जाएगा। इसके बाद ठेकेदार मप्र शासन के किसी भी विभाग में काम नहीं कर सकेगा विभाग द्वारा वापस टेंडर प्रक्रिया की जाएगी।

मंदसौर शहर के मुख्य संजीत मार्ग पर मप्र शासन ने पांच साल पहले फोरलेन ओवरब्रिज स्वीकृत किया। सेतु विकास विभाग ने 2018 में ठेकेदार जे आर अग्रवाल को वर्क आर्डर जारी कर काम शुरू कराया। इसके साथ विभाग ने ठेकेदार को शिवना पर मुक्तिधाम के पास नवीन ओवरब्रिज का काम दिया। ठेकेदार द्वारा प्रारंभ से कछुआ चाल से काम किया जा रहा है। कोरोना संक्रमण के दौरान तीन से चार माह काम बंद रहा। ठेकेदार को दिसंबर 2020 में काम पूरा करना था।

कोरोना के चलते विभाग ने ठेकेदार को जुलाई 2021 तक समय दिया, लेकिन इसके बाद ठेकेदार काम नहीं कर पाया। ठेकेदार ने इसके बाद वापस विभाग को समय एक्सटेंशन के लिए आवेदन दिया। ठेकेदार के कारणों पर विभाग ने ठेकेदार को मार्च 2022 तक का समय दिया। लापरवाह ठेकेदार ने फिर भी काम नहीं किया। हद यह है कि आज भी मौके पर 50 से 60 फीसदी ही काम हो पाया है। आखिर में ठेकेदार से परेशान होकर अधिकारियों ने कार्रवाई प्रक्रिया शुरू की।

प्रारंभ में स्थानीय एसडीओ ने कार्यपालन यंत्री को पत्र लिखा। कार्यपालन यंत्री उज्जैन ने ठेकेदार को नोटिस देकर जवाब मांगा, जवाब संतोषजनक नहीं मिलने पर उन्होंने अनुबंध विखंडित कर ठेकेदार को ब्लैक लिस्टेड करने की कार्रवाई कर दी। कार्यपालन यंत्री के निर्णय पर ठेकेदार ने भोपाल अपील की। डेढ़ सप्ताह में सुनवाई के बाद ठेकेदार को ब्लैक लिस्टेड करने की कार्रवाई की जा सकती है। इसके बाद ठेकेदार

भविष्य में मप्र शासन के किसी भी विभाग में काम नहीं कर पाएगा।

क्षेत्र के लोग को अभी लंबे समय झेलना होगी परेशानी

मंदसौर से संजीत के बीच मूंदड़ी, जग्गाखेड़ी, नापाखेड़ा, आक्याबिका, बांसखेड़ी, काचरिया सहित 30 गांव आते हैं। फाटक के दूसरी तरफ मंदसौर औद्योगिक क्षेत्र, शैक्षणिक संस्थाएं व 15 से ज्यादा कॉलोनियां हैं। इन गांवों व कॉलोनियों को मंदसौर से जोड़ने वाले मुख्य मार्ग बंद हैं। रहवासियों को एक से डेढ़ साल और परेशानी झेलना होगी। दोबारा टेंडर प्रक्रिया में तीन से चार माह का समय लग सकता है।

रेलवे के हिस्से का काम भी बंद

संजीत ओवर ब्रिज में रेलवे पटरी के ऊपर वाले हिस्से में रेलवे को ब्रिज निर्माण कराना है। मार्ग बंद होने से रेलवे का खर्च बंद हो गया, अब ब्रिज कभी भी बने रेलवे को फायदा ही है। ऐसे में रेलवे ठेकेदार द्वारा अपने हिस्से का काम नहीं किया जा रहा। मामले में रेलवे पीआरओ ने जल्द जानकारी लेकर काम शुरू कराने की बात कही।

शिवना ब्रिज का काम भी बंद

मंदसौर में शिवना नदी पर नवीन ओवरब्रिज का काम भी ठेकेदार अग्रवाल के पास हैं। इस ब्रिज के लिए विभाग ने 2018 में वर्क आर्डर जारी किया था, आज तक इसके पिल्लर तैयार नहीं हो पाए। इसकी स्थिति तो संजीत ओवरब्रिज से भी अधिक खराब है। ऐसे में विभाग ने इस निर्माण के संबंध में नोटिस जारी कर कार्रवाई शुरू कर दी।

जमा राशि की जाएगी राजसात

सेतु विकास के एसडीएओ प्रवीण नरवरे ने बताया कि ठेकेदार से निर्माण के समय लागत 26 करोड़ की 5 फीसदी एफडी जमा कराई जाती है। अनुबंध निरस्त होने की स्थिति में राशि राजसात की जाएगी। इससे नया टेंडर कॉल किया जाएगा।

जनता परेशान न हो इसलिए जल्द रि-टेंडर की प्रक्रिया करेंगे

सेतु विकास विभाग मुख्य अभियंता भोपाल संजय खांडे का कहना है कि, संजीत ओवर ब्रिज निर्माण में ठेकेदार को बार-बार समय दिए जाने के बाद भी काम नहीं किया जा रहा है। उज्जैन कार्यपालन यंत्री ने ठेकेदार का अनुबंध विखंडित कर दिया है। ब्लैक लिस्टेड की कार्रवाई की है। ठेकेदार ने भोपाल में अपील की है। सुनवाई का मौका दिया जाएगा। संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर उसे ब्लैक लिस्टेंड करेंगे, जिससे भविष्य में वह मप्र शासन के किसी भी विभाग में काम नहीं कर पाएगा। क्षेत्र की जनता परेशान न हो इसके लिए जल्द रि टेंडर की प्रक्रिया करेंगे।

असामाजिक तत्वों ने गरबा पंडाल पर किया पथराव, प्रशासन ने चलाया बुलडोजर

माही की गूंज, मंदसौर।

सीतामऊ के सुरंजनी गांव में आपसी विवाद के बाद गरबा पंडाल में पथराव करने वाले आरोपियों के मकानों पर प्रशासन का बुल्डोजर चला है। सुबह 7 बजे जिला प्रशासन के अधिकारी भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और अवैध मकानों को तोड़ने की कारवाई शुरू की।

एसडीएम संदीप शिवा ने बताया कि, उपद्रव करने वाले 3 आरोपियों के अवैध मकानों को तोड़ा गया है। वह आदतन अपराधी है और थानों में इनके खिलाफ मामले दर्ज है। प्रशासन ने आरोपी अकलू, जाफ़र और रईस नाम के आरोपियों के अवैध मकानों को तोड़ने की कार्रवाई की है।

यह था विवाद

पुलिस ने बताया कि, शनिवार रात सूरजनी में माता की आराधना करते हुए भक्त गरबा खेल रहे थे। गांव के ही सलमान खान पिता अकलू खान बाइक से कट मारने लगा। इसकी शिकायत गांव के शिवलाल पाटीदार ने सलमान के पिता से की थी। नाराज होकर रविवार रात सलमान साथियों के साथ गरबा स्थल पहुंचा और शिवलाल व साथियों के साथ मारपीट करने लगा। सलमान ने लोहे की फरसी से शिवलाल के दोस्त महेश के सिर पर वार कर दिया। श्यामदास बैरागी बीचबचाव करने पहुंचा तो बदमाशों ने उस पर पत्थर से वार किया। भीड़ जमा होने पर सलमान व उसके साथियों ने गरबा स्थल पर पत्थर फेंकना शुरू कर दिए। एक महिला भागू बाई पाटीदार घायल हुई। सूचना पर पुलिस पहुंची और स्थिति संभाली थी। 19 लोगों पर मामला दर्ज

शिवलाल की शिकायत पर पुलिस ने सलमान पिता अकलू, रइस पिता हबीबुर्रहमान जाफर पिता लाला सोहेल पिता जाफर शोएब पिता जाफर, गुलनवाज पिता हाफिज, अरमान पिता आजम हारून पिता आजम खान, भूरा पिता आजम फरदीन पिता हमीद, काले पिता मेहमूद, सरफराज पिता सत्तार, रेहान पिता सिराज, साजिद पिता सत्तार, फिरोज पिता हबीबुर्रहमान, फेजू पिता जाहिद व शहजाद पिता सैयदगनी सहित 19 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया था।

गौ शाला चल रही राम भरोसे, लापरवाही से हो रही गाय की मौत

माही की गूंज, शाजापुर।

ग्राम पंचायत जामनेर में विगत 3-4 वर्षो से गौशाला संचालित हो रही है लेकिन गौशाला राम भरोसे चल रही है, आख़िरि उसका जिम्मेदार व्यक्ति कौन है। गायों पर ध्यान नहीं दे रहे हैं और दिन प्रतिदिन गायों की मौत हो रही है। गायों का नाम पर सरकार से फंड भी वसूल किया जा रहा है और गायों को गौ शाला में ही मरने के लिए छोड़ दिया जाता है।

ऐसी यह घटना मंगलवार दोपहर ग्राम पंचायत जामनेर की गौ शाला में घटित हुई। दोपहर के समय एक गाय की गौ शाला प्रबंधक के न होने और लापरवाही से गाय की मौत हो गई और गाय गौ शाला के बाहर ही पड़ी रही, जिसको कुत्ते नोच रहे थे।

अब प्रश्न यह उठता है कि, कब तक इसी प्रकार गाय ऐसे ही मरती रहेगी...? क्या ऐसे होगी गाय राष्ट्रीय पशु घोषित...? आखिर जिम्मेदार अधिकारी क्यों गौ माता पर ध्यान नहीं दे रहे हैं...? क्या गाय सिर्फ चुनाव में ही याद आती है...? वहीं नवनिर्वाचित सरपंच सचिव सहायक सचिव भी गो साला पर ध्यान नहीं दे रहे है।

मिली जानकारी के अनुसार सरपंच शपथ को डेढ़ माह हो गया है लेकिन अभी तक सरपंच ने गौशाला के लिए कोई भी समिति का गठन नहीं किया है। दिन प्रतिदिन गाय भूख प्यास से मर रही है। ग्राम पंचायत जामनेर की गौशाला में कोई समिति नहीं है। गौशाला राम भरोसे चल रही है वहां पड़ोस के निवासी गायों की देख भाल कर रहे हैं।

घर से निकलते समय साथ रखे हेलमेट

माही की गूंज, मंदसौर।

घर से दफ्तर, स्कूल या कहीं भी जाने के लिए निकल रहे हैं तो हेलमेट उठाकर साथ रखना जरूर याद रखें क्योंकि 6 अक्टूबर से इसके बिना सरकारी, निजी दफ्तर, स्कूल, कॉलेज कहीं प्रवेश नहीं मिलेगा। यहां तक कि पंप पर पेट्रोल भी देना फिर से बंद कर दिया जाएगा। चालान बनेगा वो अलग। इसके लिए ट्रैफिक पुलिस 6 अक्टूबर से 20 अक्टूबर तक विशेष अभियान चलाएगी। मप्र पुलिस मुख्यालय के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक जी. जनार्दन ने उच्च न्यायालय जबलपुर के पत्र पर सभी पुलिस अधीक्षकों को आदेश जारी किए हैं।

दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट नहीं पहनने वालों के खिलाफ सख्ती से कार्रवाई करने, सरकारी, निजी ऑफिस, संस्थाओं, स्कूल, कॉलेज में बिना हेलमेट प्रवेश नहीं देने, सरकारी ऑफिस में काम से जाने वाले को बिना हेलमेट के पार्किंग में वाहन नहीं खड़े करने देने के बारे में लिखा है। होटल, ढाबा, रेस्टोरेंट, मॉल आदि में बिना हेलमेट के आने वाले वाहन चालकों को प्रवेश नहीं दिया जाए। स्थानीय निकाय जैसे पंचायत, परिषद, नगर पालिका में वाहन पार्किंग ठेकेदार को हिदायत दी जाएगी बिना हेलमेट के आने वाले के दोपहिया वाहन पार्किंग में खड़े नहीं किए जाए। अभियान में चालानी कार्रवाई के साथ लोगों को जागरूक किया जाएगा।

कार्यालय प्रमुख विभागीय कार्रवाई करें

एसपी अनुराग सुजानिया ने बताया कि, हर सरकारी व निजी कार्यालय प्रमुख को अपने कर्मचारियों को हेलमेट में आने की हिदायत देना चाहिए। नहीं आने पर विभागीय कार्रवाई करना चाहिए। इससे व्यवस्था में जल्दी सुधार आएगा।

बिना हेलमेट के पेट्रोल दिया तो पंप पर होगी कार्रवाई

एसपी ने बताया कि, 6 अक्टूबर से जो पंप बिना हेलमेट वालों को पेट्रोल देगा उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। बिना हेलमेट के नहीं निकले शो-रूम से वाहन- जिले में सभी ऑटो मोबाइल शॉप पर क्रेताओं को हेलमेट पहनने के बाद ही शोरूम से जाने दिया जाएगा।

यातायात थाना प्रभारी मंदसौर शैलेंद्रसिंह चौहान ने बताया, बिना हेलमेट के दोपहिया वाहन चलाने वालों के खिलाफ प्रतिदिन चालानी कार्रवाई की जा रही है। राहगीरों को जागरूक किया जा रहा हैं। 6 से 20 अक्टूबर तक विशेष अभियान चलाया जाएगा। नए आदेशों में सभी विभाग प्रमुखों को जिम्मेदारी दी हैं, वाहन चालकों को अपनों के लिए व स्वयं की सुरक्षा के लिए अनिवार्य रूप से हेलमेट पहनने की अपील हैं।

राज्य स्कूल शिक्षा मंत्री के विधानसभा में विद्यार्थियों का भविष्य अंधकार में

शिक्षा देने के नाम पर छात्र-छात्राओं से करवाते है झूठे बर्तन साफ

माही की गूंज, शाजापुर। अजय राज केवट

शिक्षा के मंदिर में 30 वर्ष से पदस्थ शिक्षक-शिक्षकों की तानाशाही सिर चढ़कर बोल रही है। वह अपनी मनमर्जी से बाज नहीं आ रहे हैं। माता-पिता सोचते हैं कि, हमारे बेटा-बेटी पढ़ लिखकर अच्छा इंसान बने। बच्चों को पढ़ाने के लिए माता-पिता कितनी मेहनत कर अपने बच्चों को पढ़ाते हैं और स्कूल भेजते हैं कि हमारा बच्चा अच्छा बड़ा इंसान बने। मगर उनके सपने देखने व सोचने से कुछ नहीं होता। जिस स्कूल में वह अपने बच्चों को शिक्षा लेने के लिए भेजते हैं उन्ही शिक्षकों द्वारा छात्र-छात्राओं से भोजन के जूठे बर्तन व शौचालय तक साफ करवाए जाता है। इतना ही नहीं शिक्षक जब लेटरिंग कर आ जाने के बाद में छात्र-छात्राओं को पढ़ाई में से उठाकर शौचालय में पानी डालने के लिए भेजते है।

ऐसा माहौल शाजापुर जिले के तहसील शुजालपुर के ग्राम रानोगंज में कई वर्षों से शिक्षकों द्वारा यह गंदी परंपरा निभाई जा रही है और बच्चों का भविष्य अंधकार में धकेला जा रहा है।

स्कूल से लेकर शौचालय पर बिछा मौत का मकड़जाल

वहीं दूसरी ओर देखा जाए तो शासकीय प्राथमिक विद्यालय रानोगंज में स्कूल से लेकर शौचालय तक पर मौत का मकड़ जाल बिछा है। जिधर देखो उधर लाइट के करंट के मकड़जाल देखने को मिलेंगे। ये सब देखकर भी शिक्षिका-शिक्षक मुख दर्शक बने हुए हैं और बच्चों के जीवन से खिलवाड़ कर रहे हैं। 1 अक्टूबर शनिवार को जब छात्र कमलेश भोजन की झूठी थाली साफ करने के लिए हेडपंप पर गया तो वहीं छात्र कमलेश पिता शिवनारायण की उंगली हेड पंप में आकर फेक्कर हो गई, जिसको देखकर शिक्षक टस से मस नहीं हुए छात्र का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। जिसको देखकर भी शिक्षकों को तरस नहीं आया और चंद कदमों दूर रहते उनके माता-पिता को सूचना भी नहीं दी गई कि, आपके बच्चे की उंगली झूठे बर्तन साफ कर ने गया था तो उसकी उंगली हेड पंप मैं आ गई है। स्कूल से छुट्टी हुई तो रोते रोते हुए बालक ने आपबीती माता पिता को बताई।

मंत्री जी जरा एक नजर रानोगंज के विद्यालय की सुध तो लो

स्कूल शिक्षा मंत्री के निवास से किलोमीटर दूर पर है। राज्य स्कूल शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार के शुजालपुर विधान सभा क्षेत्र के ग्राम रानोगंज मे शिक्षा के नाम पर किस प्रकार छात्र-छात्राओं का शोषण किया जाता है, इसका जीता जागता उदाहरण रानोगंज गांव के शासकीय प्राथमिक विद्यालय में देखने को मिलेगा कि किस प्रकार शिक्षको द्वारा संविधान का पालन किया जाता है। शिक्षा देने के नाम पर छात्र-छात्राओं से झूठे बर्तन व शौचालय साफ करवाते हैं न की उनको शिक्षा देते है। शौचालय व बर्तन साफ़ करते हुए छात्र-छात्राओं का वीडियो गूंज प्रतिनिधि के पास सुरक्षित है।

वहीं मामले में जिला शिक्षा अधिकारी विवेक दुबे का कहना है कि, वीडियो मैंने देखा है और मैंने उसी वक्त वहां के बीआरसी को बताया कि जाकर देखो अगर इस तरीके की स्थिति है तो गलत है नियम विरुद्ध है। शिक्षकों को नियम बताया जाए फिर भी नहीं माने तो कार्रवाई की जाए।

भक्ति रंग मे डूबा पंखीड़ा गरबा महोत्सव

सुंदर गार्डन मे भव्य आयोजन के साथ पूरे क्षेत्र में धूम मचाता पंखिड़ा गरबा, हजारो की भीड़ उमड़ी, दो दिन बढ़ाया गरबा

माही की गूंज, पेटलावद।

नवरात्रि के पावन पर्व के दौरान भक्तजन माँ की आराधना में लीन रहे। नगर में कई स्थानों पर गरबो का आयोजन हुआ, इस दौरान माँ शक्ति की भक्ति में पूरा अंचल डूबा है। नगर के अंबिका चौक, खेड़ा देवी मंदिर, गाँधी चौक और सुंदर गार्डन पेटलावद मे माँ की आराधना और उत्सव चला। शक्ति की आराधना का महापर्व शुरू होने के बाद से ही हर जगह काफी उत्साह देखा गया। गरबा महोत्सव को लेकर नगर के सुंदर गार्डन में आस्था और विश्वास का प्रतिक द्वितीय पंखीड़ा गरबा महोत्सव सुंदर गार्डन पेटलावद मे सार्वजनिक उत्सव समिति बामनिया रोड़ पेटलावद द्वारा आयोजित किया जा रहा है। इस बार यहाँ पर ये महोत्सव ग्यारह दिन याने 6 अक्टूम्बर तक आयोजित होगा। आयोजन को मिल रहे अपार समर्थन को देखते हुए समिति को गरबा दो दिन बढ़ाने के निर्णय लेना पड़ा। यहाँ पर माता का दरबार सजा हुआ है चमत्कारीक माता की प्रतिमा विराजित है जहाँ पर रात में गरबा पंडाल रोशनी से जगमगा रहे है। माता की आरती के बाद गरबे के आयोजन में भक्तजन बढ़ चढ़कर भाग ले रहे हैं। यहाँ हो रहे आयोजन की खास विशेषता है ये है कि पुरा परिसर सीसीटीवी कैमरे से युक्त है और सुरक्षित है। जिस कारण माता और बहिनो की अपार भीड़ लग रही है और पुरे जिले में अपना विशेष स्थान रखता है और अन्य जगहो और आसपास से भी लोग आकर्षक गरबो को देखने आ रहे हैं। महिलाये अलग-अलग दिनों मे अलग-अलग विशेष वेशभूषा में विभिन्न राज्यों की गरबा प्रस्तुति दे रही हैं। अभी तक राजस्थानी, गुजराती, मराठी और बंगाली के साथ जनजाति सांस्कृतिक गरबो की प्रस्तुति दी गई। माता की महा आरती मे रोजाना विशेष अतिथियों द्वारा आरती उतारी जा रही हैं। जिसमे प्रमुख रूप से गौतम गेहलोत, मुकेश परमार, शैलेस मांडोत, संजय चाणोदीया और नितिन जोशी, सुरेंद्र ठाकुर, आरआर ग्रुप, अनुपम भंडारी, योगेश गामड़, संजय कहार पूर्व राज्य मंत्री निर्मला भूरिया और पत्रकार संघ पेटलावद द्वारा आरती उतारी गई। विश्व हिंदू परिषद, बजरंग दल द्वारा उक्त पांडाल मे ग्यारह हजार अभिमंत्रित रुद्राक्ष का वितरण किया जा रहा है, साथ ही रोजाना मण्डल के सदस्यों की और से दूध प्रसादी का वितरण भी किया जा रहा है। सुदंर गार्डन में आयोजित गरबा उत्सव में लगातार देखने और खेलने वालों हजारो श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ रही है। न केवल नगर बल्कि आसपास के क्षेत्र से बड़ी संख्या में लोग पहुँच रहे है।

पंडाल में गरबा रास डांडिया की धूम रही, पुरूस्कारो का हुआ वितरण

माही की गूंज, करवड़। शारदीय नवरात्र में भक्तों की आराधना चरम पर पहुंच गई। गांव के अंबे माता मंदिर चांदनी चौक, गामड़ मोहल्ला ,पाटीदार मोहल्ला, बामणिया रोड पर शारदीय नवरात्र में भक्तों की दर्शन पूजन के लिए भारी भीड़ रही। अष्टमी और नवमी पर मंदिरों में शाम को विशेष हवन के बाद पूजन आरती कर भक्तजनों को प्रसादी एवं पारितोषिक वितरण किया गया। नवरात्र के अंतिम दिनों में गरबा पंडालों में पैर रखने तक की जगह नहीं मिली, गरबा के आयोजन कल सुबह तक चलते रहे। नवरात्र में पूरे मंदिर पर सुंदर विद्युत सजा के साथ प्रतिदिन माता जी का अलग-अलग रूपों के अनुसार विशेष श्रृंगार किया गया। रात में माता जी की विशेष आरती की गई, इसके बाद रात 8 बजे से 12 बजे तक गरबो का आयोजन हुआ। अब सुबह 5 बजे माता जी की आरती की गई एवं जवारे विसर्जित किए गए।

इसी प्रकार अंबे माता मंदिर पाटीदार मोहल्ले में समिति के द्वारा कन्या भोज का आयोजन संपन्न हुआ। पारितोषिक वितरण जूनियर एवं सीनियर बालिकाओं को दिया गया। पारितोषिक विधायक प्रतिनिधि शैलेंद्र सिंह गंगाखेड़ी, सागरमल प्रजापत एवं सरपंच विकास बाबू लाल गामड़ के द्वारा दिया गया। मंदिर पर सोने का कलश चढ़ाने के लिए राशि दी गई। समिति के अध्यक्ष भंवर सिंह सिसोदिया के द्वारा 51 हजार रुपए की राशि एवं सरपंच विकास बाबूलाल गामड़ के द्वारा 11 हजार रुपए की राशि एवं विधायक प्रतिनिधि शैलेंद्र सिंह राठौर के द्वारा 5 हजार रुपए की राशि मंदिर पर कलश चढ़ाने के लिए दी गई। पारितोषिक वितरण में प्रथम जूनियर बालिकाओं को विधायक प्रतिनिधि शैलेंद्र सिंह राठौर के द्वारा लवी भंडारी माही पोरवाल और आरती तवर को पारितोषिक दिया गया। वही सीनियर बालिकाओं में प्रथम ऐश्वर्या शर्मा रोशनी प्रजापत एवं शिवानी राठौड़ को दिए गए।

नो दिन तक रही गरबो की धूम, सुबह तीन बड़े खम्ब बड़ा कर दी माता जी को विदाई

माही की गूंज, बामनिया। नवरात्रि के नो दिनों तक ग्राम में गरबा की धूम रही। यहां लगभग 70 वर्षो से आयोजित हो रहे ग्राम के मुख्य चोराहे पर स्थित माँ अंबिका मन्दिर पर गरबा उत्सव की धूम रही। यहां महिला और लड़कियां बड़ी संख्या में रोज अलग-अलग ड्रेस कोड के साथ गरबा करने पहुँची। यहां होने वाले गुजराती गरबे हमेशा से आकर्षण का केंद्र रहे है। मंगलवार रात नवरात्रि के अंतिम दिन देर रात 3 बजे तक गरबा उत्सव जारी रहा। इसके बाद शुभ महूर्त में माता जी का खंब बड़ा कर माता जी को विदाई दी गई।

अमरगढ़ रोड स्थित राम मंदिर पर भी गरबा रास की धूम रही है और नो दिनों तक गरबा करने वाले एक भक्तों के लिए महाप्रसादी का वितरण किया। सोमवार को विशेष अतिथि के रूप में एसडीओपी पूलिस सौनु डावर, चौकी प्रभारी श्याम कुमावत विशेष रूप से आयोजन में शामिल हुए, जिनका प्रतीक चिन्ह भेंट कर स्वागत किया गया। माता जी मन्दिर से खम्ब प्रतिवर्ष अनुसार राम मंदिर पहुँचता है जीसके बाद जुवारे ठंडे किये गए। पुलिस चौकी के पीछे स्थित खेतला जी भेरू के मंदिर पर भी नवरात्रि की धूम रही और बड़ी संख्या में भक्तों ने पहुँचे।

बस स्टैंड, माता जी मंदिर पंडाल में गरबा रास डांडिया की रही धूम

माही की गूंज, सारंगी। नवरात्रि के चलते नगर के बस स्टैंड माताजी मंदिर, भैरवनाथ बस स्टैंड व अन्य स्थानों पर आकर्षक गरबे ने ग्राम वासियों में उत्साह एवं उमंग का माहौल बना दिया। नवरात्रि के अंतिम दिन देर रात तक गरबो का दौर चला। पावागढ़ नी पटरानी, मारी दुर्गा मात भवानी, झूमे झूमे रे झूमे रे झूमे सहित अन्य गरबो की शानदार प्रस्तुति मातृशक्ति द्वारा देखने को मिली डीजे की धुन पर देर रात तक गरबे चलते रहे। पूरा गरबा पांडाल मां के भक्तों से खचाखच भर गया। महिलाएं एवं पुरुष रंग बिरंगी ड्रेस पहनकर गरबा खेलने पहुंचे। भक्त अपने आपको गरबा खेलने से नहीं रोक पाए। गरबा पांडाल उत्साह एवं उमंग भरे माहौल का आनंद उठाते हुए गरबा खेले। गरबा खेलने आए सभी मां के भक्तों को नगर पत्रकार संघ की ओर से फरियाली की प्रसाद वितरित की गई। साथ ही नव दुर्गा उत्सव समिति एवं नगर पत्रकार संघ ने सभी भक्तों का आभार माना।

पुलिस चौकी पर किया शस्त्र पूजन

माही की गूंज, करवड़। करवड़ पुलिस चौकी पर चौकी प्रभारी गोवर्धन मकवाना के द्वारा शस्त्र पर तिलक लगाकर माल्यार्पण कर विधि विधान से पूजा पाठ किया गया। अधर्म पर धर्म की विजय असत्य पर सत्य की विजय विजयादशमी पर्व की शुभकामनाएं चौकी प्रभारी ने दी। पुलिस चौकी स्टाफ में चौकी प्रभारी सउनी गोवर्धन मकवाना, सऊनी छोटे खा मंसूरी, प्रधान आरक्षक विजेंद्र सिंह यादव, प्रधान आरक्षक लक्ष्मण सिंह चौहान, प्रधान आरक्षक राजेश गहलोत, आरक्षक अर्जुन मंडलोई व आरक्षक सोहन तोमर उपस्थित रहे।

नवरात्रि के अंतिम शाम को 51 थाली से उतारी आरती एवं 56 भोग का नवेद लगाया

माही की गूंज, रायपुरिया।

ग्रामीण अंचलो के गांवों मे गरबा पांडाल बड़ी सुंदरता से सजाएं गए थे नो दिनो तक मां नव दुर्गा की भक्ति एव आराधना में सराबोर रहे। इस बार की नवरात्रि पर्व कई गुना उत्साह अंचल में देखने को मिला। नवरात्रि पर्व भले ही शहरों की बराबरी तो न हुई होगी लेकिन जो यह उत्साह अंचलों में था वह कम भी नहीं था। नवरात्रि की अन्तिम शाम को 51 थाली से मां नव दुर्गा की महा आरती उतारी गई एवं 56 भोग का नैवेद्य लगाया गया। सिर्वी मोहल्ला गरबा पांडाल समिति द्वारा प्रथम वर्ष गरबे का आयोजन किया गया। जहां पर 9 दिनों तक माता की आरती एव प्रसादी वितरण की गई, डांडिया रास खेले गए। जहां पर प्रतिदिन अलग-अलग तरह से प्रस्तुति दी गई। अंतिम दिन होने से जागरण का कार्यक्रम आयोजित किया गया। आखिर रात को बढ़-चढ़कर भाग लिया। युवक-युवतियां ने ड्रेस कोर्ट में देर रात्रि तक गरबे खेल। बुधवार की सुबह चार बजे छडी एव जवारे मूर्ति विसर्जन की गई। नो दिन केसे निकल गये यह मालूम ही नही पडा। जो बच्चे दिन भर मोबाइल से खेलते वही बच्चों ने 9 दिनों तक मोबाइल को हाथ तक नही लगाये, बस वह तो सुबह से हाथों में डांडिया लिए प्रैक्टिस करते हुए दिखाई दिए ताकि शाम को गरबा पांडाल में अच्छे गरबे खेल सके। आज कही जगह पर हुए गराब पांडाल हुए सुनने कहीं जगह पर पूर्णिमा तक चलेंगे गरबे। यहां पर नवदुर्गा मित्र मंडल के तत्वावधान में शानदार गरबा आयोजन किया जा रहा है। झांकियां भी बनाई जा रही हैं यह आयोजन शरद पूर्णिमा तक चलेगा।

बुराई जलकर हुई खाक, पंचायत ने किया 21 फुट ऊंचे रावण पुतले का निर्माण

माही की गूंज, आम्बुआ। बुराई पर अच्छाई की जीत का जश्न मनाने की तैयारी कस्बा तथा ग्रामीण क्षेत्र के लोगों ने कर ली थी। ग्राम पंचायत द्वारा बुराई के प्रतीक लंकापति रावण के पुतले का निर्माण कराया गया। जिससे शाम के समय सुपुर्देराख किया गया ताकि बुराई का अंत हो।

हमारे संवादाता को ग्राम सरपंच रमेश रावत ने बताया कि, हमारे सनातन धर्म के आराध्य भगवान श्री राम द्वारा लंकापति रावण जो भले ही विद्वान पंडित था। मगर उसने मां सीता का अपहरण कर जो जघन्य पाप किया था। उसकी सजा भगवान श्रीराम ने उसको मृत्यु दंड देकर पूर्ण की थी। ऐसे बुराई के प्रतीक रावण के 21 फुट ऊंचे पुतले का निर्माण ग्राम पंचायत द्वारा कराया गया जिसे अस्थाई दशहरा मैदान में रखा गया था तथा शाम को विशेष आतिशबाजी कर जलाया गया। दशहरे के पर्व पर बुराई का प्रतीक रावण खाक हो गया और बुराई का अंत हुआ। आम्बुआ दशहरा मैदान पर प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी हजारों की संख्या में ग्रामीण उपस्थित हुए तथा रावण दहन का आनंद उठाया। सरपंच द्वारा अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होने की अपील की गई थी।

नवरात्री की नवमी तिथि पर कुल देवियों की पूजा, कन्या पूजन कर कराया कन्या भोज

माही की गूंज, आम्बुआ। शारदीय नवरात्रि के अंतिम दिन घरों में पारिवारिक कुलदेवी की पूजा अर्चना की गई। अपने-अपने परंपरागत रीति-रिवाजों के अनुसार विधि-विधान से पूजा की गई। कई परिवारों में कन्याओं की पूजा कर उन्हें भोजन कराकर उपहार दिए गए। गरबा पंडालों में पूरी रात जागरण कर गरबे खेले गए।

नवरात्रि के पर्व का नवमी तिथि को समापन किया गया। माता रानी के मंदिरों में विशेष पूजा-अर्चना के साथ हवन यज्ञ किए गए। वहीं घरों में अपनी-अपनी कुलदेवी का पूजन सामाजिक रीति-रिवाज के अनुसार किए गए। गरबा पंडालों में गरबा खेलने के साथ ही पांडालों में गरबा खेलने वालों को चाय नाश्ता करया गया। सुबह तक रतजगा कर माता की आराधना की गई। नवमी तिथि को कई परिवारों में कन्या पूजन किया जाकर कन्याओं को भोजन कराने के बाद फल तथा अन्य उपयोगी उपहार नगदी आदि दिए गए तथा इन कन्या रूपी माताओं से सुख समृद्धि हेतु आशीर्वाद लिया गया अंबे माता (टेकरी वाली), मेलडी माता, अंबे माता मंदिर (शंकर मंदिर प्रांगण) बिजासन माता इंदिरा आवास में विराजित माताजी तथा गरबा पांडाल में विराजित प्रतिमाओं का विसर्जन किया गया। जिनका विशाल चल समारोह कस्बे से निकला व हथनी नदी में मूर्तियों का विसर्जन किया गया। जिसकी संपूर्ण तैयारी आयोजक मंडलों ने की।

धूमधाम से मनाया नवरात्रि पर्व धूमधाम

माही की गूंज, बनी। ऋषभ गुप्ता

प्रति वर्ष अनुसार इस वर्ष नवरात्रि पर्व अति उत्साह पूर्वक मनाया गया। इस वर्ष मंदिर प्रांगण में आकर्षक सजावट की गई। युवा मंडल के युवाओं में काफी उत्साह देखा गया और सभी ग्राम वासियों द्वारा उत्साह पूर्वक भाग लिया। नन्हे मुन्ने बच्चों द्वारा प्रतिदिन नई पोशाक पहनकर गरबा रास किया जो सभी के लिए आकर्षण का केंद्र रहा। पाटीदार समाज द्वारा गौ माता में फेल रही लंबी वायरस की रोकथाम के लिए माता रानी से विशेष विनती की गई। साथ ही सभी ग्राम वासियों ने अपना संपूर्ण कार्य बंद कर मां जगत जननी अंबे जी से विनती करने में योगदान दिया और कुशल क्षेम बना रहने की प्रार्थना की।

माता का किया विसर्जन

माही की गूंज, पारा। ग्राम पारा में नौ दिनों तक गरबो की धूम रही, गांव के पांच स्थानों मंडलों में गरबा खेला गया। पारा बस स्टेंड, पीपली चौक, प्रजापत मोहल्ले, होली चोक, राजगढ़ रोड, सार्वजनिक बाल गरबा मंडल बसेर चौक बखत पुरा अंबे माता मंदिर आदि स्थानों पर गरबा पांडाल सजाए गए। सभी गरबा मंडलों में रोजाना पुरुष-महिलाए व बच्चे द्वारा अलग-अलग वेशभूषा के साथ बेहतरीन गरबो की प्रस्तुतियां दी गई। नवरात्रि समापन अवसर पर माता के भक्तो व सभी मंडलों के कलाकारों ने माता का जगराता कर रात भर गरबा व डांडिया रास खेला गया। प्रातः 4 बजे के बाद समापन की तैयारियां हुई। आरती के दौरान माता के भक्तो पुरुष महिलाओं ने माताओं व भेरू जी का स्वांग रचा।

पीपली चौक गरबा मंडल के पन्नालाल प्रजापत ने बताया कि, पारा के जितेंद्र प्रजापत द्वारा हाथो में खपार लिए स्वयं की जीबान को तलवार से काटते हुए कालका मां का स्वांग रचा। अम्बे माता मंदिर पर माता के भक्त चेतन कहार द्वारा हाथो में खप्पर लिए अंबे माता का स्वांग रचा। माता कि रक्षा के लिए काल भेरूजी गेंदालाल प्रजापत व गोरा भेरू पन्नालाल प्रजापत ने स्वांग रचा। जिसके बाद माता विसर्जन यात्रा निकाली गई। यात्रा गांव की प्रमुख गलियों से होते माता के हाथो मे खप्पर लिए खेलते हुए शीतला माता मंदिर पहुंची, जहां पूजा अर्चना के साथ माता ठंडी की गई।

सार्वजनिक गरबा मंडल के सदस्य चेतन डोडिया ने बताया कि, माता जी का उकाला तालाब पर विसर्जन किया गया। सार्वजनिक बाल गरबा मंडल के सदस्य हेमेंद्र बसेर ने बताया कि, माता जी का विसर्जन मंजुला तालाब पर किया गया।

गरबा मंडलों के सदस्यों चेतन डोडिया, राहुल शर्मा, नानूराम प्रजापत, लक्की वैरागी, नायडू कदम गौरव, डोडिया, अर्जुन प्रजापत, राजा सरतलिया, यशवंत कटारा पृथ्वी सिंह डोडिया, घोटा डाबी, भाजपा जिला कोषध्यक्ष संदीप सोनी, हेमेन बसेर, तरुण चौधरी, राजू जेठालाल गौतम सोनी आदि भक्तो का सरहनिय सहयोग रहा।

इस वर्ष रही गरबे की धूम

माही की गूंज, काकनवानी। नरेश पंचाल

कोरोना जैसी महामारी के चलते लॉकडाउन के बाद पहली बार गरबे में ऐसी धूम मची की पांडाल भी छोटा पड़ गया। माताएं-बहने एवं बालक-बालिकाएं रोजाना 9 दिन तक अलग-अलग वेशभूषा में गरबा डांडिया खेल मां की आराधना कर रहे थे, तो वही पूरे गांव में इस वर्ष नवरात्रि को लेकर एक माह पहले से ही उत्साह देखा गया। एस्टीमेट के साथ सारी व्यवस्थाएं शुरू हो गई। 1 महीने पहले ही समिति का गठन हो चुका था। समिति द्वारा पूरे 9 दिन नवरात्रि में कार्यक्रमों की रूपरेखा बनाई गई, जिसमें फैंसी ड्रेस गरबा प्रतियोगिता, सामूहिक रूप से महा आरती एवं डांडिया प्रतियोगिता के साथ ही कई कार्यक्रमों की रूपरेखा बनाई गई। जिससे नव दिन नवरात्र में पूर्ण रूप से कार्यक्रम संपन्न करवाया गया। नवरात्रि के आखरी दिन मां जगत जननी जगदंबा की आराधना में पूरा गांव छूट गया, पांडाल इतना छोटा पड़ गया कि आधे लोगों को दर्शक बनकर ही बैठना पड़ा। सैकड़ों की तादात में मां अंबे के भक्त गरबा खेलने के लिए आए।

ग्रामीण अंचल के इस क्षेत्र में सबसे बड़ा एवं मुख्य मंदिर व गरबा काकनवानी में ही होता है। जिससे आसपास के कई ग्रामीण व बालक-बालिकाएं भी गरबा नृत्य करने के लिए रोजाना पहुंच रहे थे। पूरे मंदिर परिसर में करीब-करीब 500 से 700 लोगों की रोजाना भीड़ रही। प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष बाजार के लोगों ने तन मन और यथाशक्ति धन से सहयोग कर माता जी के इस गरबा महोत्सव को सफल बनाया।

नवरात्रि के अंतिम दिन 60 से अधिक संख्या में लाए गए इनाम समस्त बालक-बालिकाओं को प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य मक्कन डामोर, नरेश पंचाल एवं समाज सेवक कालूराम राठौड़ एवं समिति द्वारा वितरण किए गए।

माही की गूंज, थांदला।

विजयादशमी यानि दशहरा पर्व पर दशानन का हुआ अंत। थांदला में दशहरा मैदान में रावण दहन किया गया। दशहरा मैदान में 51 फुट ऊंचा रावण का पुतला तैयार कर किया गया था। नगर के राम मंदिर से रामजी का जुलूस दशहरा मैदान पहुंचा जिसके बाद पांच बजे से सात बजे के मध्य रामायण पारायण किया गया। सात से आठ बजे तक अतिथि संत महात्माओं द्वारा उद्बोधन दिए गये। रात आठ से नौ बजे के मध्य रावण दहन किया गया। साढ़े 9 बजे तक रावण दहन का कार्यक्रम समाप्त हो गया था। समस्त कार्यक्रम को लेकर प्रशासनिक सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम दिखाई दे रहा था।

नगर में दशहरे पर्व पर लगने वाला पशु मेला मध्य प्रदेश राजस्थान व गुजरात में भी प्रसिद्ध है। दशहरे के मेले पर मध्य प्रदेश के पड़ोसी राज्य राजस्थान व गुजरात से भी पशु खरीदने व बेचने के लिए ग्रामीण व किसान आते हैं। लेकिन इस वर्ष थांदला नगर परिषद का चुनाव हुआ है अभी नगर परिषद अध्यक्ष का चुनाव नहीं हो पाया है इसलिए थांदला नगर परिषद क्षेत्र में आचार संहिता लागू है। आचार संहिता के चलते मेले के टेंडर की नीलामी नहीं हो सकी। थांदला प्रशासन द्वारा पहले ही मेले के आयोजन को लेकर असमर्थता जताई थी। प्रशासन नगर परिषद के द्वारा मेले का आयोजन नहीं हो रहा है फिर भी दशहरा मैदान पर दुकाने, झूले, चकरी लगाए गए। बाहर से कई व्यापारी थांदला पहुंचकर दुकाने लगाए हुए थे। प्रशासन की ओर से दुकान लगाने वाले व्यापारियों को लाइट व अन्य प्रकार की कोई भी सुविधाएं नहीं दी गई।

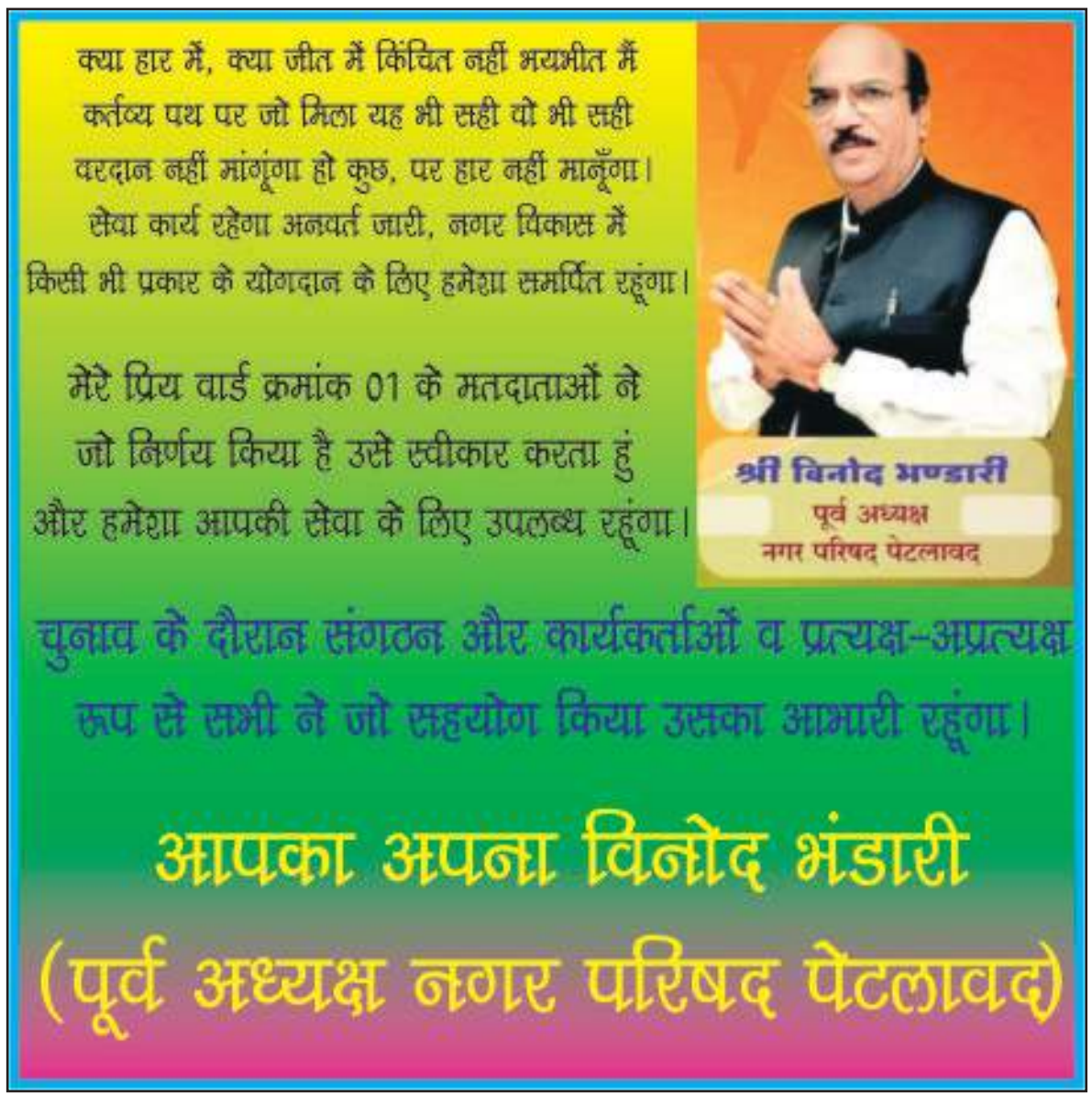

मानव दुर्व्यापार के अपराधों की रोकथाम के लिए चलाया जा रहा चेतना अभियान

माही की गूंज, अलीराजपुर।

अलीराजपुर पुलिस के द्वारा मानव दुर्व्यापार के अपराधों की रोकथाम हेतु संपूर्ण जिले में विशेष जन जागरूकता अभियान चेतना चलाया जा रहा है। विशेष जन जागरूकता अभियान चेतना के तहत वृहदस्तर पर आयोजन किये जा रहे हैं। वाहन रैली का आयोजन किया गया।

पुलिस अधीक्षक अलीराजपुर मनोज कुमार सिंह ने बताया कि, पुलिस मुख्यालय भोपाल के निर्देशों के अनुक्रम में संपूर्ण जिले मानव दुर्व्यापार के अपराधों की रोकथाम हेतु 26 सितम्बर से 4 अक्टूबर 2022 तक अलीराजपुर पुलिस द्वारा विशेष जन जागरूकता अभियान चेतना चलाया जा रहा है। जिसके तहत स्कूलों, कॉलेजों एवं सार्वजनिक स्थलों पर कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

अभियान के उद्देश्य

इस विशेष जन जागरूकता अभियान चेतना के तहत मानव दुर्व्यापार की रोकथाम एवं शोषित वर्ग विशेषकर महिला एवं बच्चों को समाज के केन्द्र बिन्दु में लाना। जनसमुदाय को मानव दुर्व्यापार एवं महिलाओं को लेकर समाज में व्याप्त कुप्रथाओं एवं कुरीतियों के प्रति जागरूक करना। मानव दुर्व्यापार के सक्रिय अपराधियों की गतिविधियों पर अंकुश लगाना। मानव दुर्व्यापार एवं महिला संबंधी अपराधों की रोकथाम में समाज की सकारात्मक भूमिका निर्वहन हेतु प्रोत्साहन। मानव दुर्व्यापार की रोकथाम के क्षेत्र में कार्यरत विभिन्न हितधारकों को साथ जोड़कर प्रभावी कार्यवाही करना।

अभियान चेतना के दौरान की जा रही गतिविधियां

नवरात्रि के अवसर पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिसमें पोस्टर्स, हेल्प लाईन नंबर के पम्पलेट का वितरण एवं लघु फिल्म असली हीरो, सुनहरे पंख का प्रदर्शन कराया गया। इसी प्रकार दुर्गा उत्सव के पंडालों में पोस्टर्स को वृहद स्तर पर चस्पा किए गए। साथ ही गरबा आयोजन में लघु फिल्म असली हीरो, सुनहरे पंख का प्रदर्शन किया गया। दुर्गा उत्सव के पंडालों में फैन्सी डैस प्रतियागिता में बच्चियों को शक्ति के आधुनिक 8 अवतार के रूप में ÷नारी तुम केवल शक्ति हो÷ का स्लोगन दिया जाकर पुरुस्कृत किया गया। सक्रिय अशासकीय संगठन एनजीओ आदि से समन्वय कर नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया। जन जागरूकता अभियान चेतना के दौरान उपस्थित समुदाय से महिला/बच्चियों पर होने वाले अपराधों की रोकथाम में सहयोग हेतु शपथ भी दिलवाई गई। जन जागरूकता अभियान चेतना के दौरान बस कण्डक्टर/चालक एवं वाहन में मौजूद यात्रीगण से महिला/बच्चियों पर होने वाले अपराधों की रोकथाम में सहयोग हेतु शपथ भी दिलवाई गई।

वाहनों में चस्पा किए पम्पलेट

जिले के थानों में स्थापित महिला उर्जा हेल्प डेस्क के द्वारा अपने-अपने थाना क्षेत्रों के स्कूलों एवं सार्वजनिक स्थानों पर जाकर महिला संबंधी सभी प्रकार के अपराधो के बारे में जानकारी दी व किस प्रकार अपराधों से बचे इस बारे में बताया गया। वर्तमान में हो रहे अपराधों के टैंड के बारें में सूक्ष्मता से बताया गया तथा स्कूलों में जाकर बच्चीयों को उनके द्वारा पूछे गये प्रश्नों का समाधानकारक जवाब दिया गया। स्कूलों में इस अवसर पर प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। जन जागरूकता अभियान चेतना के दौरान पुलिसकर्मीयों एवं अन्य विभाग के कर्मचारियों के द्वारा वाहन रेली का आयोजन किया गया।

पुलिस अधीक्षक अलीराजपुर मनोज कुमार सिंह ने बताया कि, पुलिस मुख्यालय के निर्देशानुसार विशेष जन जागरूकता अभियान चेतना जिलें के सभी थानों में वृहदस्तर पर सभी के सहयोग एवं समन्वय से चलाया जा रहा है।

अलीराजपुर पुलिस का विशेष प्रयास रहेगा कि, विशेष जन जागरूकता अभियान चेतना के माध्यम से से अधिक से अधिक लोगों को जोड़ा जाए व जागरूता का प्रयास किया जा रहा है। विशेष जन जागरूकता अभियान चेतना पुलिस मुख्यालय के द्वारा चलाई जा रही सराहनीय पहल है।

गण पूर्ति के अभाव में ग्राम सभा हुई स्थगित

पूज्य बापू तथा शास्त्री जी को श्रद्धांजलि की अर्पित

माही की गूंज, आम्बुआ।

प्रदेश शासन की मशानुसार गांधी जयंती 2 अक्टूबर को ग्राम पंचायतों में ग्राम सभाओं का आयोजन किया जाना था। इसी कड़ी में आम्बुआ पंचायत भवन में भी पूज्य राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं पूर्व प्रधानमंत्री स्व. श्री लाल बहादुर शास्त्री को श्रद्धांजलि अर्पित कर ग्राम सभा का आयोजन किया जाने हेतु जब सदस्यों की उपस्थिति देखी गई, तो सदस्य संख्या बहुत कम रही। कोरम (गणपूर्ति) कम होने के कारण प्रस्ताव पारित कर ग्राम सभा स्थगित करते हुए यह ग्राम सभा सात दिवस बाद पुनः रखे जाने हेतु सूचना जारी की जाकर वरिष्ठ अधिकारियों को जानकारी प्रेषित की गई। पंचायत भवन पर सरपंच रमेश रावत, उपसरपंच थानसिंह भयडिया, सचिव बद्रीलाल भाबर, वरिष्ठ पत्रकार जगराम विश्वकर्मा, साजिद शेख तथा कालू भारती, रमेश वाणी, इंदरसिंह, सोनिया रावत एवं मुर्तुजा फखरुद्दीन बोहरा तथा आंगनबाड़ी की दो कार्यकर्ता उपस्थित रही।

दिलीप बारिया कांग्रेस कमेटी झुग्गी झोपड़ी प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष नियुक्त

माही की गूंज, बरझर। मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी झुग्गी झोपड़ी प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. निलेश ईश्वर सिंह चौहान को पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ की सहमति व महामंत्री प्रकोष्ठ जेपी धनोपिया की अनुमोदन पर अलीराजपुर जिला झुग्गी झोपड़ी प्रकोष्ठ का जिलाध्यक्ष दिलीप देवीलाल बारिया को मनोनीत किया है। उन्हें कांग्रेस की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने सके व संगठन को मजबूत करने के लिए दायित्व दिया गया है। जिसे लेकर जिला कांग्रेस कारवाहक अध्यक्ष ओम राठोड़, पूर्व जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष महेश पटेल, विधायक मुकेश पटेल, सेना पटेल, खुर्शीद दिवान, लहीक मोहोम्मद शैख, हरीश भाबर, इरसाद खान, विक्रम शाहू आदि ने निलेश ईश्वर सिंह चौहान व महेश पटेल का आभार मानते हुए झुग्गी झोपड़ी प्रकोष्ठ का जिलाध्यक्ष बनने पर दिलीप बारिया को बधाई दी।

आजाद अतिथि शिक्षक संघ की बैठक का हुआ आयोजन

माही की गूंज, बरझर।

आजाद अतिथि शिक्षक संघ चंद्रशेखर आजाद नगर भाबरा द्वारा मंडी ग्राउंड में बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें अतिथि शिक्षको की विभिन्न मांगों को लेकर चर्चा की गई तथा 10 अक्टूबर को भोपाल में आंदोलन की तैयारी को लेकर चर्चा की गई। बैठक में अतिथि शिक्षक संघ जिलाअध्यक्ष भीका गणावा, उपाध्यक्ष कैलाश मंडलोई, जिला प्रभारी प्रताप सिंह डामोर, ब्लॉक अध्यक्ष अखिलेश सोलंकी एवं समस्त अतिथि शिक्षक-शिक्षिकाओं द्वारा विस्तार से चर्चा की गई। अतिथि शिक्षक भर्ती प्रक्रिया में समस्याओं को लेकर जिसमे अतिथि शिक्षक अभी भी बाहर है उनकी समस्याएं भी सुनी गई तथा उन्हें उनको पुनः नियुक्ति करने पर चर्चा की गई।

हरिजन आवास एवं इंदिरा आवास में नाली निर्माण की जरूरत

माही की गूंज, आम्बुआ।

ग्राम पंचायत आम्बुआ के वार्ड क्रमांक 8 एवं 9 हरिजन आवास फलिया तथा इंदिरा आवास फलिया जहां पर घरों के बाहर नाली निकासी की व्यवस्था नहीं होने से घरों के बाहर गंदगी पसरी रहती है। यहां के निवासियों की नाली बनाने की मांग वर्षो से लंबित है।

कस्बे से सटी हरिजन आवाज फलिया जिसके विद्युत प्रदाय का शुभारंभ प्रदेश के तत्कालीन राज्यपाल केएस चांडी द्वारा किया गया था। इसी फलिया के समीप स्थित इंदिरा आवास फलिया स्थित है। दोनों फलियों की आबादी लगभग 500 के आसपास के निवासी यो तो अनेक मूलभूत सुविधाओं के मोहताज है। मगर सबसे बड़ी समस्या यहां नालियों की है जिसके अभाव में घरों का पानी घरों के आगे पीछे एकत्र होकर गंदगी फैला रहा है। अभी कुछ दिन पूर्व एक नाली निर्माण का भूमि पूजन तो हुआ मगर अभी कार्य अधूरा है। यहां के निवासी शब्बीर मकरानी, थानसिंह, निलेश राठोड़, कालू सिंह ठेकेदार, फुलचंद्र राठौड़, नंदलाल राठौड़, भागीरथ चौहान, गुल मोहम्मद, अनिल ,गुलाब खां आदि ने नाली निर्माण कराने की मांग की है।

वहीं ग्राम पंचायत सरपंच रमेश रावत का कहना है कि, दोनों फलियों का निरीक्षण कराया जा रहा है अति शीघ्र स्वीकृति प्राप्त कर नालियां बनाई जाएगी।

पांच वर्ष से अधूरी पड़ी नल जल योजना

माही की गूंज, भानपुरा।

नल योजना का कार्य 5 वर्ष में भी पूरा नहीं हो पाया बड़े दुख का विषय है। पाइप लाइन डालने के बाद टेसिंट्ग के दरमियान जगह जगह सड़कों को छलनी कर दिया गया है, अब कौन कहे किस से कहें। वर्तमान एवं इसके पूर्व आधी उम्र सीएमओ साहब को अनुभव के आधार पर ही इन बातों को गौर करना चाहिए कि, एमएलए बनने के सपनों, प्रयासों व पार्षद के द्वारा नल योजना में हो रही गड़बड़ियों को समय पर नहीं रोका गया एवं दुरुस्त नहीं किया गया। सामाजिक कार्यकर्ता गोविंद उपाध्याय सामने बहुत पहले ही इस बात की शिकायत उच्च अधिकारियों को की थी। किंतु आज दिनांक तक नल योजना कार्यान्वित नहीं हो पाई।

सबसे बड़ी विडंबना यह है कि, अभी तक नल योजना वालों ने नगर परिषद को सुपुर्द नहीं की है। इसके पहले कार्य आदेश वर्क आर्डर के तहत प्रत्येक नल कनेक्शन के साथ वाल लगाना आवश्यक था। 5 वर्ष पूर्व कई जगह लगाएं किंतु हैंड ओवर के पूर्व प्रत्येक नल कनेक्शन में वोल्व लगाना आवश्यक है। आदरणीय शिवराज मामा जी ने भानपुरा को अच्छी-अच्छी सौगातें दी है किंतु अधिकारियों एवं ठेकेदारों पर नगर परिषद अध्यक्ष एवं पार्षदों का नियंत्रण नहीं होने के कारण हजारों लीटर पानी रोज बह रहा है। हम खुशनसीब है कि, हमारी माताओं-बहनों को सिर पर 2-2 किलोमीटर तक पानी लेने के लिए नहीं जाना पड़ रहा है। किंतु उसका दुरुपयोग भी कहां तक उचित है। शीर्ष अधिकारियों को ठेकेदार को वाल लगाने के लिए बाध्य किया जाए। साथ ही जिम्मेदार नेताओं से इसलिए आग्रह है कि सामान्य आदमी की तो अधिकारी वर्ग सुनने को ही तैयार नहीं है, उल्टा प्रताड़ना देकर टरका दिया जाता है। यदि किसी ने 181 पर शिकायत की है तो सबसे पहले उसको काम नहीं होने के बावजूद भी शिकायत वापस लेने के लिए साम दाम दंड भेद लगा दिया जाता है। आशा है, भानपुरा जल नल योजना को चुस्त दुरुस्त किया जाएगा। व्यर्थ जा रहे पानी को बचाया जाएगा। एक टंकी जो पिछले 10 वर्षो से बनी है आज तक टेसिंट्ग नहीं हुई है। जानकारी के अनुसार 10 वर्ष तक पानी नहीं भरने से वह टंकी शतिग्रस्त हो सकती है। उसका भी उपयोग चालू किया जाए और यदि वह क्षति ग्रस्त हो जाती है तो वो ठेकेदार एवं अधिकारी के दिवंगत होने के पूर्व उससे वसूली की जाने की अवश्य हो।

महाअष्टमी व नवमी पर रंग में रंगा वनवासी आंचल

माही की गूंज, मेघनगर। ग्रामीण आंचल के एवं वनवासियों आंचल में और शहरी क्षेत्र में माता नव दुर्गा के गरबा महोत्सव चारों ओर भक्ति के मई में रंगा हुआ रहा। हर क्षेत्र में सुंदर गरबा पंडालों को सजाए गए और नव ही दिन एक से एक प्रस्तुति दी गई। मेघनगर के कुछ दूरी पर स्थित वनेश्वर मारुति नंदन पुरतलाब पर आखिरी अष्टमी और महानवमी पर एक से एक प्रस्तुति दी गई। यहां पर वनवासी क्षेत्र की संस्कृति में एक जैसी वेशभूषा में हाथ में तीर कामठी लिए सुंदर गरबे की प्रस्तुति दी गई। जैसे चारों और भक्तों की भीड़ खचाखच भरे गरबा खेलने वालों के पांडाल जैसे भक्तों की भीड़ इस महापर्व की शोभा बढ़ा रही थी।

सुबह 4 बजे तक चलते रहे गरबा

वही मेघनगर के हृदय स्थली दशहरा मैदान पर भी सुंदर झिलमिलाती लाइटें और माता जी की प्रतिमा और एक से एक गरबा प्रस्तुति यहां पर भी दी गई। साथ ही यहां पर नगर के गरबा खेलने वाले भक्तों की भीड़ देखते नहीं बन रही थी। नगर के नन्ने मुन्ने बच्चे बड़े और यहां की मातृशक्ति ने गरबा खेला। अष्टमी और नवमी को यहां पर गरबे खेलने वाले सुबह 4 बजे तक गरबे खेलते रहे। यहां पर वंदे मातरम ग्रुप द्वारा अच्छी व्यवस्था और देखरेख की गई।

मेघनगर के शंकर मंदिर मे अष्टमी नवमी पर भक्तों का तांता लगा रहा। मेघनगर का प्राचीन शंकर मंदिर होने से काफी संख्या में माताएं बहने एवं बच्चे यहां पर गरबा खेलने आए। शंकर मंदिर पर माता रानी की महा आरती करने के पश्चात यहां पर अपने-अपने टीम के साथ गरबा खेलने माता रानी के दरबार में आए। यहां पर उसे समिति के द्वारा इस रंगारंग गरबा महोत्सव में गरबा खेलने वालों को उपहार भी दिए गए और उत्सव समिति के द्वारा फरियाल एवं चाय की व्यवस्था भी गरबा खेलने वालों के लिए की गई।

पैगम्बर-ए-इस्लाम की यौमे पैदाइश जश्न-ए-ईद मिलादुन्नबी को लेकर तैयारियां शुरू

गुलशने मदीना कमेटी ने मोहल्ले को आकर्षक तरीके से सजाया, ईद मिलादुन्नबी पर सादगी के साथ निकलेगा जुलुस

माही की गूंज, अलीराजपुर।

पैगम्बर-ए-इस्लाम हजरत मोहम्मद मुस्तफा की यौमे पैदाइश जश्न-ए-ईद मिलादुन्नबी की खुशी में शहर के मुस्लिम बाहुल्य क्षेत्रों में जश्न का माहौल व तैयारियां जोरो पर चल रही है। मेरे सरकार की आमद... पैगम्बर-ए-इस्लाम की यौमे पैदाइश को लेकर तैयारियां शुरू, चारों ओर खुशी का माहौल पैगम्बर-ए-इस्लाम हजरत मोहम्मद मुस्तफा की यौमे पैदाइश जश्न-ए-ईद मिलादुन्नबी की खुशी में शहर में मुस्लिम बाहुल्य क्षेत्रों में जश्न का माहौल व तैयारियां जोरो पर चल रही है। मेरे सरकार की आमद मरहबा मरहबा के नारो से गली मोहल्ले गूंजने लगे। खूशी के इस आलम में पूरा मुस्लिम इलाका जश्न में डूबा हुआ है।

हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी सजाया जा रहा मोहल्ला

नगर के बहारपूरा (मंसुरी चोक) में गुलशने कमेटी के सदस्य द्वारा बहुत ही आकर्षक तरीके से मोहल्ले को सजाया जा रहा है। मोहल्ले में रंग बिरंगी कपड़े, एवं लाइटिंग, फूलों से सजाया जा रहा है। 9 तारीख को कमेटी द्वारा जुलूस का भव्य स्वागत(इस्तक़बाल) सभी के द्वारा किया जाएगा। जिसमे मोहल्ले के सभी वरिष्ठ, बुजुर्ग, नोजवान,बच्चें,इस काम मे तन मन धन से सहयोग कर रहे है।

हजरत मोहम्मद मुस्तफा जश्न-ए-ईद मिलादुन्नबी का पर्व रविवार को बड़ी ही अकीदत के साथ मनाया जाएगा। जिसको लेकर शहर व गावों के मुस्लिम क्षेत्र में जश्न की तैयारियां शुरू हो गई है। नबी की यौम-ए-पैदाइश का ऐहतराम करते हुए मस्जिदों व घरों में साफ सफाई के साथ कुरआन की तिलावत भी गूंजने लगी है।

हेलमेट पहनना हुआ अनिवार्य

माही की गूंज, अलीराजपुर।

उच्च न्यायालय जबलपुर में प्रस्तुत रिट पीटिशन क्रमांक 7436/2021 द्वारा ऐश्वर्य शांडिल्य विरूद्ध म.प्र. शासन में उच्च न्यायालय द्वारा दिए गए निर्देशानुसार, दो पहिया वाहन चालकों के लिए हेलमेट लगाना नही लगानें एवं दो से अधिक सवारी बैठानें पर मोटर व्हीकल एक्ट के तहत कार्यवाही हेतु निर्देशित किया गया है।

दो पहिया वाहन चालकों के द्वारा हेलमेट धारण नहीं करनें पर मोटर व्हीकल एक्ट की धारा 129 व 129-ए के तहत कार्यवाही की जाएगी। दो पहिया वाहन चालकों के द्वारा दो से अधिक सवारी बैठानें पर मोटर व्हीकल एक्ट की धारा 128 के तहत चालानी कार्यवाही की जाएगी।

पुलिस ने की अपील

सभी दो पहिया वाहन चालक हेलमेट धारण करें एवं अपने आसपास के अधिक से अधिक लोगों को इसके लिये जागरूकता का प्रयास कर पुलिस का सहयोग करें। सभी दो पहिया वाहन चालक दो से अधिक सवारी न बैठावें तथा अन्य को भी इस हेतु प्रेरित करें।

आगामी दिनों में जिला अलीराजपुर के समस्त मार्गों पर स्थित हॉटल, ढाबा, रेस्टोरेण्ट, सरकारी कार्यालयों, बस स्टेण्ड, स्कूल/कॉलेजों, शोरूम, हाट बाजारों आदि स्थानों पर सघन चैकिंग की कार्रवाई की जाएगी तथा जो भी दो पहिया वाहन चालक हेलमेट धारण नहीं करनें एवं दो से अधिक सवारी बैठाये हुये पाया जाता है तो संबंधित वाहन चालक के विरूद्ध मोटर व्हीकल एक्ट की धाराओं के तहत चालानी कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस अधीक्षक अलीराजपुर मनोज कुमार सिंह ने जिले की जनता से अपील करते हुए कहा कि, हेलमेट धारण करना आपके एवं आपके परिवार के लिए बहुत बडी सुविधा है, जो किसी भी प्रकार की आकस्मिक वाहन दुर्घटना होनें से आपकों एवं आपके परिवार को बचाता है। मै पुन अपील करता हूं कि, सभी दो पहिया वाहन चालक हेलमेट धारण करे एवं दो से अधिक सवारी न बैठाए तथा इस हेतु अपनें आसपास के सभी लोगों को इस अच्छी पहल के लिए प्रोत्साहित एवं पहल कर अलीराजपुर पुलिस को सहयोग प्रदान करनें में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करें।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, अलका भटेवरा द्वारा काम्पेक प्रिन्टर्स प्रायवेट लिमिटेड, 3/54, प्रेस कॉम्प्लेक्स, ए. बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 499, बाजना मार्ग, गणेश मंदिर के सामने, खवासा, तहसील थांदला, जिला-झाबुआ (म.प्र.) से प्रकाशित। प्रधान संपादक- संजय भटेवरा, संपादक- धर्मेन्द्र पंचाल । मोबाइल नं. -95898-82798 (सभी विवादों का न्यायालय क्षेत्र झाबुआ रहेगा) आरएनआई नंबर- एमपीएचआईएन/2018/76422